आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 09 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 217
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

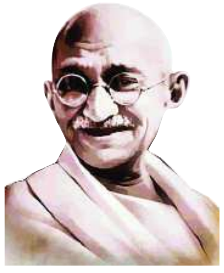

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

माता वैष्णो देवी के दर्शन में टिकट बन रहा है रुकावट

पेज-2

सर्जरी के बाद छलका सुमोना चक्रवर्ती का दर्द

पेज-5

एमपी पुलिस कार्यवाहक 183 डीएसपी में निराशा

पेज-6

ना बैंड-बाजा, ना दिखावा, ना बाराती, पौधे लगाकर हुई शादी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के व्यवसायी और समाजसेवी अक्षय जैन ने अपने पुत्र पार्थ जैन के 12 जुलाई को होने वाले विवाह समारोह को सादगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला आयोजन बनाया है। उन्होंने शादी को सीमित और पारिवारिक स्वरूप देने का फैसला किया है। समारोह में केवल दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार और परिजन शामिल होंगे। जैन परिवार ने सभी मेहमानों से अनुरोध किया है कि वे शादी में कोई उपहार, लिफाफा या भेंट लेकर न आएं। परिवार का कहना है कि नवदंपती के लिए सबसे बड़ा उपहार बड़ों का आशीर्वाद और अपनों का स्नेह है।

मेहमानों से यह भी अपील की गई है कि वे नवदंपती को आशीर्वाद स्वरूप अपने घर, आंगन या आसपास कम से कम एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल का संकल्प लें। परिवार का मानना है कि हर शुभ अवसर को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

■ **प्रधानमंत्री के संदेश से मिली प्रेरणा :** अक्षय जैन ने बताया कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सादगी और मितव्ययता के संदेश से प्रेरित होकर लिया गया है। शादी में किसी तरह का दिखावा या फिजूलखर्ची नहीं होगी। सभी धार्मिक रस्में जैन परंपरा के अनुसार नवकार महामंत्र और मंगलाचरण के बीच संपन्न होंगी।

■ **दिन में होंगे सभी कार्यक्रम :** जैन धर्म की परंपराओं के अनुसार विवाह में कोई भी रात्रिकालीन कार्यक्रम नहीं रखा गया है। सभी आयोजन दिन में होंगे। मेहमानों के लिए जमीकंद रहित सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई है।

■ **समाज के लिए बना उदाहरण :** सामाजिकजनों का कहना है कि ऐसे दौर में जब शादियां खर्च और दिखावे का माध्यम बनती जा रही हैं, अक्षय जैन परिवार की यह पहल समाज को नई दिशा देती है। यह आयोजन सादगी, संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला उदाहरण बन गया है।

बारिश का पानी गैस के सिलेंडर के संग...

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में भारी बारिश और बाढ़ के चलते पातालगंगा नदी में एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 3000 एलपीजी गैस सिलेंडर बह गए हैं।

ई-अटेंडेंस पर स्कूली शिक्षा मंत्री ने दिया शिक्षकों को ज्ञान

जब दिनभर मोबाइल चलाते हैं तो फिर हाजरी लगाने में क्या दिक्कत ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू करने के फैसले पर सरकार रियायत देने के मूड में नहीं है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के हालिया बयान के बाद भी शिक्षक संगठन इसका विरोध कर रहे हैं।

मंत्री ने साफ कहा है कि शिक्षक दिनभर मोबाइल का उपयोग करते हैं। ऐसे में ई-अटेंडेंस लगाने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। वहीं, शिक्षक संगठनों का कहना है कि वे ई-अटेंडेंस के विरोध में नहीं हैं, लेकिन इसे न्यायसंगत और संवेदनशील तरीके से लागू किया जाए। साथ ही सरकार शिक्षकों के निजी मोबाइल, इंटरनेट और सिम के उपयोग पर भी स्पष्ट नीति बनाए। दो दिन पहले बैतूल प्रवास के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि ई-अटेंडेंस लागू करने में कोई समस्या नहीं है।

मंत्री ने बताया कि जहां नेटवर्क की समस्या है, वहां सरकार समाधान के प्रयास कर रही है और ऐसे स्थानों पर पदस्थ शिक्षकों की गरिमा और व्यावहारिक कठिनाइयों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में पिछले दिनों करीब 1,000 जगहों पर नेटवर्क संबंधी दिक्कत सामने आई थी, लेकिन उन जगहों पर पदस्थ किसी भी टीचर की सैलरी नहीं काटी गई। सरकार का दावा है कि तकनीकी समस्याओं के कारण किसी कर्मचारी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

- चीन में कुदरत का कहर : तूफान 'मायसाक' के कारण आई बाढ़ से 39 की मौत
- हरियाणा कांग्रेस में अंदरूनी कलह तेज : हुड्डा, सुरजेवाला के बीच जुबानी जंग तेज
- वायनाड : लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 5, तीन अभी-भी लापता
- उत्तराखंड : हरिद्वार और कोटद्वार में अगले 2 घंटे बारिश का रेड अलर्ट
- बिहार में बांकीपुर उपचुनाव पर संजय झा का हमला : महागठबंधन मैदान में है या उड़ गया, पता ही नहीं
- ममता बनर्जी पर दिलीप घोष का सीधा हमला : ड्रामा करने से नहीं चलता आंदोलन, धैर्य चाहिए
- राजा रघुवंशी हत्याकांड : सोनम ने SC में दायर किया जवाबी हलफनामा, खुद को बताया निर्दोष
- दिल्ली में बारिश के बाद सरकार अलर्ट, सीएम रेखा ने जलभराव की स्थिति की समीक्षा की

माइक्रो मैनेजमेंट पर जोर, कांग्रेस में अब घनश्याम और अवधेश के नाम

प्रत्याशी नहीं हुए तय, फिर भी दोनों ही पार्टी प्रचार को लेकर मैदान में उतरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • भाजपा प्रदेश कार्यसमिति बैठक के बाद वरिष्ठ नेता दतिया उपचुनाव में प्रचार की कमान संभालेंगे। पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की उम्मीदवारी लगभग तय मानी जा रही है। कांग्रेस में अब पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की पत्नी शोभा भारती के बजाए घनश्याम सिंह और अवधेश नायक का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। 18-19 जुलाई को ओरछा में प्रदेश भाजपा की पहली कार्यसमिति बैठक बुलाई गई है। इसके बाद पार्टी पूरी तरह चुनाव प्रबंधन में जुट जाएगी।

विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान भाजपा के हाथ से दतिया सीट कांग्रेस ने छीन ली थी। इसलिए भाजपा के चुनावी प्रबंधकों ने उपचुनाव में बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट पर तैयारी की है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पूर्व मंत्री मिश्रा क्षेत्र में सक्रियता बनाए हुए हैं। उनकी उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा एक-दो दिन में हो जाएगी। भाजपा ने जातिगत समीकरणों को साधने के लिए तैयारी की है। हर बूथ पर प्रभारियों को तैनात कर घर-घर दस्तक देने का कार्यक्रम बनाया गया है। कांग्रेस में टिकट की प्रमुख दावेदार बनकर उभरी पूर्व विधायक भारती की पत्नी शोभा का नाम अब पीछे हो गया है।

भाजपा और कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर : उपचुनाव में भाजपा-कांग्रेस दोनों ही दलों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। 30 जुलाई को मतदान और 3 अगस्त को चुनावी नतीजे आएंगे। भाजपा जहां अपनी सीट पुन: पाने की रणनीति पर काम कर रही है जबकि कांग्रेस संगठन जातीय समीकरणों को साधते हुए एक बार फिर जीत का परचम फहराने की मंशा के साथ मैदान में उतरने के लिए कमर कस रही है।

सीजफायर तार-तार, दुनिया लाचार

वाशिंगटन/तेहरान (एजेंसी) • अमेरिका ने बुधवार रात ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने दावा किया कि उसने ईरान के करीब 90 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन स्टोरेज साइट, निगरानी ठिकाने, नौसैनिक ठिकाने और सैन्य लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी IRNA ने बताया कि खुजेस्तान प्रांत के अहवाज शहर के बाहरी इलाके में हुए हमले में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक राहत और बचाव अभियान जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि उन्हें हर समय खतरा रहता है। उन्होंने कहा किया, 'मैं ईरान की हिटलिस्ट में सबसे ऊपर हूं।' ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन उसे इस बात पर भरोसा नहीं कि तेहरान समझौते का पालन करेगा।

■ ट्रम्प बोले- ईरान से सीजफायर खत्म : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने NATO समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते।

■ ईरान बोला- बेहरीन और कुवैत में 85 ठिकानों को निशाना बनाया : ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया कि उसने बहरीन और कुवैत में 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। इसमें अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट मुख्यालय और अली अल-सलेम एयर बेस भी शामिल बताए गए।

होर्मुज में बढ़ते तनाव के बाद कुवैत का 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा भारतीय झंडे वाला टैंकर 'लीला वादिनार' बुधवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास ओमान के तट से वापस लौट गया। अमेरिका का कहना है कि ताजा हमलों का मकसद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। वहीं ईरान ने इन हमलों की जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

एनसीईआरटी की नई किताब में कहा-कांग्रेस ने बंटवारे का विरोध किया

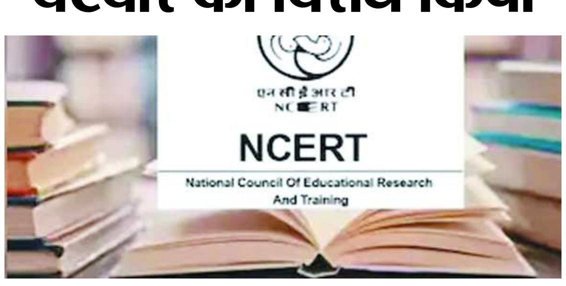

नई दिल्ली (एजेंसी) • कक्षा आठ के लिए एनसीईआरटी की ओर से जारी सामाजिक विज्ञान की संशोधित किताब में भारत-पाकिस्तान बंटवारे को लेकर कांग्रेस के रुख को बदले स्वरूप में पेश किया गया है। इसमें कहा गया है कि विभाजन को ही आगे बढ़ाने का एकमात्र स्वीकार्य रास्ता मानने संबंधी रुख पर बहस अब भी जारी है। संशोधित किताब में जहां वीडी सावरकर की 'स्वराज' की मांग को शामिल किया गया है, वहीं एडॉल्फ हिटलर और नाजी विचारधारा का जिक्र हटा दिया गया है।

भारत की आजादी का लंबा सफर' शीर्षक वाले इतिहास के अध्याय में कहा गया है कि कांग्रेस ने भी बंटवारे का जबरदस्त विरोध किया था। पिछली किताब में शामिल उस वाक्य को भी हटा दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि 'बंटवारे के दौरान जब पूरा उपमहाद्वीप सांप्रदायिक नरसंहार से जूझ रहा था, तब कांग्रेस नेता बेबस थे। हिटलर और नाजी विचारधारा का जिक्र हटाते हुए कहा गया है कि बोस ने 'ब्रिटिश-विरोधी ताकतों से समर्थन मांगा था।'

छात्रों की शिकायत पर प्रशासन हरकत में प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हुई जांच

■ श्रमोदय विद्यालय में कथित मारपीट मामले में सिक्योरिटी सुपरवाइजर हटाया गया

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

बेटमा (खुर्द) स्थित श्रमोदय आवासीय विद्यालय में छात्रों के साथ कथित मारपीट की शिकायत के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। छात्रों द्वारा इंदौर कलेक्टर को शिकायत सौंपे जाने के बाद प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई। कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को बेटमा नायब तहसीलदार महेंद्र गौड़ एवं पटवारी रविन्द्र जादव विद्यालय पहुंचे और पूरे मामले की जांच की। वहीं, कलेक्टर के आदेश पर विद्यालय प्रबंधन ने सिक्योरिटी सुपरवाइजर दीपेंद्र त्रिपाठी को कार्य से हटा दिया है।

सूत्रों के अनुसार छात्रों ने सिक्योरिटी सुपरवाइजर के साथ-

साथ कुछ सिक्योरिटी गार्डों पर भी मारपीट के आरोप लगाए हैं। हालांकि जिन अन्य सुरक्षा कर्मियों पर आरोप लगाए गए हैं, उनके संबंध में अब तक किसी कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने विद्यालय प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि छात्रों की शिकायतों का समय पर विद्यालय स्तर पर गंभीरता से निराकरण किया जाता, तो संभवत: उन्हें न्याय की मांग लेकर इंदौर कलेक्टर कार्यालय तक नहीं जाना पड़ता। एक आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को अपनी शिकायत लेकर जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ा, यह स्थिति विद्यालय की शिकायत निवारण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाती है। फिलहाल मामला जांच के अधीन है। छात्रों द्वारा लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिर एक बार नई तकनीक की कवायद

अब मोबाइल फोन से होगी स्ट्रीट लाइट बंद चालू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर भर की स्ट्रीट लाइट को एक मोबाइल फ़ोन से हैंडल करने की योजना बना ली गई है। अभी तक 24 घंटे चालू रहने वाली स्ट्रीट लाइट को बंद और चालू मोबाइल फ़ोन से किया जा सकेगा। इसके लिए स्मार्ट स्ट्रीट लाइट सिस्टम से काम होगा और इसी तकनीक से एलईडी लाइट से बिजली बचत होने की पूरी संभावना है।

बताया जा रहा है कि शहर भर में लगभग 1 लाख 42 हजार स्ट्रीट लाइट संचालित हो रही है और जहां अधिकतर लाइट 24 घंटे चालू रहती है। इससे नगर निगम पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। यही कारण है कि इस बोझ को कम करने के लिए तरह तरह के जतन किए गए थे और पहले खंभे पर ही स्विच लगाए गए तो अन्य कोई सिस्टम से भी काम किया गया था, लेकिन कोई भी काम सफल नहीं हुआ है। अब नए सिरे से इस व्यवस्था को लागू करने की योजना बनाई गई है। निगम ने अधिकांश स्ट्रीट लाइटों को एकीकृत निगरानी नियंत्रण सिस्टम से जोड़ दिया है। इससे यह होगा कि मोबाइल आधारित प्रणाली से लाइटों को दूरस्थ रूप से ही ऑन या ऑफ़ किया जा सकेगा और उनके संचालन का समय भी निर्धारित किया जा सकेगा। इससे शहर में स्ट्रीट लाइट 24 घंटे नहीं जलेगी और शाम 7 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक स्ट्रीट लाइट चालू रहेगी। इसके बाद ऐसे सिस्टम से मोबाइल फ़ोन से ही स्वत: स्ट्रीट लाइट बंदियां चालू हो जाएगी। फिलहाल 24 घंटे लाइट जलने से निगम को नुकसान हो रहा था। अब इस तरह की तकनीक से जल्द ही काम शुरू होने की बात कही जा रही है। महापौर ने बताया कि इस तकनीक से नए सिरे से बेहतर काम होंगे और एडिशनल कमिश्नर श्रृंगार श्रीवास्तव को भी निर्देश दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स का चयन अनिवार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स, संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा एवं स्थिरता आधारित पाठ्यक्रमों का चयन अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 'करीकुलम एण्ड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स (सीसीएफपीजी), जून-2024' तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नवीन अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 2 क्रेडिट पॉइंट का एक वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम लेना होगा। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विषय समूहों अंतर्गत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं।

इंदौर के युवा 6.17 के एचपीएस के साथ स्वास्थ्य सजगता में सबसे आगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नीवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने स्वास्थ्य बीमा के प्रति युवा भारत के दृष्टिकोण को लेकर एक खास ग्राहक विश्लेषण रिपोर्ट पेश की है, जिसमें इंदौर के युवा देश में सबसे ज्यादा स्वास्थ्य के लिए सजह और वित्तीय सुरक्षा में सबसे आगे होना पाए गए। शहर ने स्वास्थ्य सजगता के कई मापदंडों पर राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ा है, जिससे मजबूत वित्तीय सुरक्षा, स्वस्थ जीवन शैली और और सुरक्षा साधनों को लेकर बेहतर जागरूकता परिलक्षित होती है। यह रिपोर्ट 35 से ज्यादा शहरी एवं ग्रामीण केंद्रों के 2400 से ज्यादा लोगों पर किए गए सर्वे पर आधारित है, जिसमें टियर 1, टियर 2, टियर 3 शहर और गांव भी शामिल है। इसके माध्यम से 'हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर' (एचपीएस) पेश किया गया है, जो कि अपने तरह का ऐसा पहला मापदंड है, जिससे यह पता चल सके कि भारतीय लोग स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए कितने तैयार हैं।

अमेजन प्राइम डे पर लॉन्च होगी येज़्दी स्क्रैम्बलर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत की सबसे हल्की स्क्रैम्बलर, 4 से 6 जुलाई तक चलने वाले प्राइम डे 2026 के दौरान एक्सक्लूसिव जावा येज़्दी मोटरसाइकल्स भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन शॉपिंग उत्सव में ऑथेंटिक स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलिंग का रोमांच लेकर आ रही है। विशेष रूप से तैयार की गई येज़्दी स्क्रैम्बलर, 4 से 6 जुलाई 2026 तक प्राइम डे के दौरान Amazon.in के न्यू लॉन्च स्टोर पर उपलब्ध होगी। इससे प्राइम मेंबर्स को भारत की सबसे विशिष्ट परफॉर्मेंस-क्लासिक मोटरसाइकिलों में से एक को खरीदने का मौका मिलेगा।

फ्लेक्सी ड्रीम प्लान एक बेहतरीन बचत जीवन बीमा योजना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एडलवाइस लाइफ फ्लेक्सी ड्रीम प्लान एक बेहद अनोखा भागीदारी वाला बचत जीवन बीमा प्लान है जिसे खासतौर पर ग्राहकों के दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बनाया गया है और इसमें सुरक्षा, फ्लेक्सिबिलिटी और पूंजी निर्माण का ऐसा मिश्रण है जो समय के साथ बदल सकता है। पार्टिसिपेटिंग प्लान होने के नाते, इसमें ग्राहकों को समय-समय पर घोषित होने वाले बोनस का सीधा फायदा मिलता है।

जेनेरली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया पेंशन प्लान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जेनेरली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, निजी क्षेत्र की एक प्रमुख लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, ने सुनहरा पेंशन प्लान लॉन्च किया है। यह एक पार्टिसिपेटिंग (पीएआर), नॉन-लिंक्ड, पेंशन और बचत-आधारित जीवन बीमा योजना है।

5 अगस्त तक शुरू किया जाए निगम का डिजिटल पोर्टल

महापौर ने निगम की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के विकास कार्यों में तेजी लाने और नागरिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय में नगर निगम की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी विकास कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं और 5 अगस्त तक नगर निगम का अपना डिजिटल पोर्टल हर हाल में शुरू किया जाए।

बैठक में निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित सभी अपर आयुक्त और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत महापौर सचिवालय से भेजे गए पत्रों और टीएल (टाइम लिमिट) प्रकरणों की विभागवार समीक्षा से हुई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों, जनप्रतिनिधियों के पत्रों और समयबद्ध मामलों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में स्वामी विवेकानंद, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रस्तावित प्रतिमाओं के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई और इन्हें प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान नगर निगम के नए प्रशासनिक भवन, मास्टर प्लान के विकास कार्यों और शहर में पार्किंग सुविधाओं के विस्तार पर भी चर्चा हुई।

अभियान चला कर वसूली हो

महापौर ने कहा कि वैध घोषित कॉलोनियों में विकास शुल्क जमा कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि वहां सड़क, नाली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास कार्य तेजी से हो सकें। बैठक में अवैध कॉलोनियों, अवैध निर्माण और अतिक्रमण के मामलों पर भी सख्त रुख अपनाया गया। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के लगातार कार्रवाई जारी रखी जाए। जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पानी की टंकियों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां जनप्रतिनिधियों के सहयोग से शीघ्र समाधान निकाला जाए, ताकि भविष्य में पेयजल संकट की स्थिति न बने। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए महापौर ने 5 अगस्त तक निगम का अपना डिजिटल पोर्टल शुरू करने का लक्ष्य तय किया। इसके शुरू होने से नागरिकों को अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन मिलेंगी ।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन मुसाखेड़ी, आईटी पार्क, देवास नाका ओव्हरब्रिज का किया निरीक्षण

समय पर कार्य न होने पर ब्रिज निर्माण एजेंसी पर लगेगी पेनल्टी

निर्माण कार्य में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के यातायात को सुगम बनाने के लिए कई ओव्हरब्रिजों का निर्माण चल रहा है, लेकिन काम धीमी गति से होने के कारण जनता को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। रोज जाम की स्थित निर्मित होती, जिससे घंटों लोग सड़कों पर गुजराने के लिए मजबूर होते है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस समस्या को समझा और बुधवार को रिंग रोड स्थित मुसाखेडी चौराहा, आईटी पार्क और देवास नाका ओव्हरब्रिज का निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। कलेक्टर वर्मा ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को ब्रिज निर्माण कार्य में और अधिक गति लाने तथा निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण की जानकारी ली

ब्रिज निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को कहा कि यदि पैदल चलने वाले नागरिकों के लिए पैसेज समय सीमा में नहीं बना तो पेनाल्टी लगाई जायेगी। इस दौरान कलेक्टर वर्मा के साथ नगर निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, अनुविभागीय अधिकारी घनश्याम धनगर, एमपीआरडीसी ब्रिज सेल के प्रबन्धक एवं संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर वर्मा ने तीनों निर्माणाधीन ब्रिज के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से प्राप्त की।

बड़ी राहत प्रदान करेंगे

उन्होंने कहा कि तीनों ओव्हरब्रिज क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत प्रदान करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि बारिश की वजह से निर्माण स्थल के आसपास जल भराव और यातायात जाम की स्थिति निर्मित नहीं हो। साथ ही पैदल चलने वालों के लिए सुविधाजनक पैसेज बनाये जाए, आवश्यकता होने पर पेंचवर्क करें।

वन विभाग को चकमा देकर जंगल की ओर भागा तेंदुआ

रात 2 बजे तक चलाया सर्च ऑपरेशन, नहीं मिला सुराग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बिचौली मर्दाना क्षेत्र में डिलीवरी बॉय पर हमले के बाद दहशत फैलाने वाला तेंदुआ मंगलवार देर रात तक वन विभाग की टीम को चकमा देता रहा। रेस्क्यू अभियान के दौरान वह एक मकान के बाथरूम में छिपा मिला, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही पीछे के रास्ते से निकलकर जंगल की ओर भाग गया।

वन विभाग ने रात करीब दो बजे तक पूरे इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन तेंदुए का कोई सुराग नहीं मिलने पर अभियान फिलहाल समाप्त कर दिया गया। वन विभाग का कहना है कि जरूरत पड़ने पर पिजरे लगाए जाएंगे। रालामंडल के रेंजर योगेश यादव ने बताया कि शुरुआती जांच में आशंका है कि तेंदुआ नोबल अस्पताल के पीछे स्थित जंगल से भटककर रिहायशी इलाके में पहुंचा था। यह क्षेत्र वन्यजीवों की आवाजाही वाला माना जाता है और यहां पहले भी सियार, जंगली बिल्ले समेत अन्य वन्यजीव देखे जा चुके हैं। एक संभावना है कि तेंदुआ रालामंडल या देवगुराड़िया के जंगल से आबादी की ओर आ गया हो। हमले की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इलाके की घेराबंदी कर कई घंटे तक तलाश की गई।

भारथक्लाउड ने अपने पहले ब्रांड मैस्कॉट 'बादल' का अनावरण किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के सॉवरेन एआई क्लाउड सेवा प्रदाता भारथक्लाउड ने आज अपने पहले ब्रांड मैस्कॉट 'बादल' का अनावरण किया। यह कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और पूरे भारत में व्यवसायों तथा उपयोगकर्ताओं के लिए क्लाउड और एआई तकनीकों को अधिक सहज, जुड़ावपूर्ण और सुलभ बनाने की उसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। जैसे-जैसे भारथक्लाउड व्यवसायों, संस्थानों, स्टार्टअप्स और सरकारी इकोसिस्टम के बीच अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, बादल को एक अत्यधिक तकनीकी श्रेणी को मानवीय स्वरूप प्रदान करने तथा प्रत्येक चरण में ग्राहकों के लिए क्लाउड अपनाने की यात्रा को सरल बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों के दूरस्थ मजरे, टोले में बिजली पहुंचने की खुशियां

डीए जुगा योजना में 15855 घरों को स्थाई बिजली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मालवा-निमाड़ के दूरस्थ जनजातीय व अन्य क्षेत्रों के हजारों उन घरों में खुशियां का माहौल हैं, जिनके घर ग्रामों की मूल बसाहट से काफी दूर एवं दो चार मकानों की संख्या में जंगल, पहाड़ी आदि क्षेत्रों में स्थित है। शासन के धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में इन सुदूरवर्ती परिवारों को अथक परिश्रम के साथ चुनौतीपूर्ण विद्युतीकरण कार्य कर रोशनी का तोहफा दिया गया हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि धार, इंदौर के महू के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र, झाबुआ, बड़वानी, आलीराजपुर, देवास के बागली, कन्नौद क्षेत्र, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम के सैलाना बाजना के अत्यंत दूरस्थ वनवासी क्षेत्रों में धरती आबा योजना अंतर्गत प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है। देवास जिले में 1056, रतलाम के दूरस्थ क्षेत्रों के 928, बुरहानपुर के 664, खंडवा के 1300, खरगोन के 2240, बडवानी के 4500, धार के 1500, झाबुआ जिले के 2007, आलीराजपुर 1470 दूरस्थ मजरे, फलिए, टोले में रहने वाले परिवारों के यहां ट्रांसफार्मर, केबल, पोल स्थापित कर बिजली प्रदाय प्रारंभ किया गया हैं। मंदसौर, नीमच, शाजापुर, उज्जैन के भी कुछ दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत रोशनी का तोहफा दिया गया हैं।

नवनियुक्त डीईओ और एडी का किया स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अध्यापक संघ द्वारा नव नियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा व सहायक संचालक व इन्दौर सक्षम बिल्लोरे का स्वागत समस्त टीम के साथियो के साथ किया गया। राजेन्द्र आचार्य, केके आर्य, अनुज दुवे अमरीश शर्मा साजिद नावेद, मनीष जोशी, राजेश गोयल,हरीश गौर, विनोद कोगे,लीलाधर पलासियावाला, श्रीमती निहारिका सिंह, श्रीमती चेतना उपाध्याय, श्रीमती वंदना कंदोई, द्वारा नवनियुक्त जिलाशिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा और नवनियुक्त सहायक संचालक इंदौर का हार फूल से स्वागत किया गया।

स्वयं पोर्टल के कोर्स से विद्यार्थियों को मिलेंगे 40% तक क्रेडिट पॉइंट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। यूजीसी ने कहा है कि जुलाई 2026 सेमेस्टर से स्वयं (SWAYAM) पोर्टल पर शुरू होने वाले MOOC कोर्स को शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। यूजीसी का मानना है कि इससे दूरदराज के विद्यार्थियों को भी देश के श्रेष्ठ शिक्षकों से पढ़ने का मौका मिलेगा। साथ ही यह शिक्षा को सस्ती और सुलभ भी बनाएगा। आयोग ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और यूजीसी के क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत कोई भी उच्च शिक्षा संस्थान अपने किसी भी डिग्री या डिप्लोमा प्रोग्राम में 40 प्रतिशत तक क्रेडिट पॉइंट ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से दे सकता है। इसका मतलब है कि अगर कोई छात्र 4 साल की डिग्री कर रहा है तो उसके 160 क्रेडिट में से 64 क्रेडिट पॉइंट तक वह SWAYAM के कोर्स करके पूरा कर सकता है। स्वयं पोर्टल भारत सरकार का राष्ट्रीय ऑनलाइन शिक्षा मंच है। इस पर आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के फैकल्टी पढ़ाते हैं।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सघन कार्रवाई

विद्यालय का निरीक्षण, खाद्य नमूने लिए गए एवं एक्सपायरी उत्पाद नष्ट कराए गए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने संबंधी निर्देशों तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा आज एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल खंडवा रोड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के किचन एवं भंडार कक्ष का विस्तृत परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बनी हुई गिलकी की सब्जी, पोहा, मिक्स्ड फ्रूट जैम, मिर्च पाउडर, नमक एवं घी के कुल 06 नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत जांच हेतु लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान किचन परिसर में पेस्ट कंट्रोल व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई तथा पेयजल की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके अतिरिक्त किचन में जंग लगे हुए चाकू एवं चॉपिंग बोर्ड पाए गए, जिन्हें तत्काल हटवाया गया। कुछ खाद्य सामग्रियों के भंडारण में स्न्ह्वस्न्ह्र प्रणाली का पालन भी नहीं किया जा रहा था। विद्यालय प्रबंधन को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा पाई गई कमियों का शीघ्र निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में शिकायतकर्ता प्रतीक जड़िया द्वारा दर्ज शिकायत के संबंध में खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रभुलाल डोडियार द्वारा शिकायतकर्ता से दूरभाष पर जानकारी प्राप्त की गई।

माता वैष्णो देवी के दर्शन में टिकट बन रहा है रुकावट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर और मालवा-निमाड़ क्षेत्र के श्रद्धालुओं को रेलवे आरक्षण संकट का सामना करना पड़ रहा है। इंदौर से कटरा जाने वाली प्रमुख ट्रेन मालवा एक्सप्रेस में अगले कई सप्ताह तक लंबी वेटिंग चल रही है, जिसके कारण हजारों श्रद्धालुओं के सामने यात्रा का संकट खड़ा हो गया है। यात्रियों का कहना है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इंदौर से वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू जाते हैं, लेकिन इस बार रेलवे ने बढ़ती मांग के अनुरूप अतिरिक्त व्यवस्था नहीं की है।

श्रद्धालुओं का कहना है कि अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर अगस्त के अंत तक चलती है और इस दौरान यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। इसके बावजूद इंदौर से जम्मू के बीच कोई विशेष ट्रेन घोषित नहीं की गई है। वहीं नियमित मालवा एक्सप्रेस में भी अतिरिक्त डिब्बे नहीं जोड़े गए हैं, जिससे कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। यात्री संगठनों का कहना है कि रेलवे को कम से कम दो माह के लिए इंदौर-जम्मू स्पेशल ट्रेन चलानी चाहिए। साथ ही मालवा एक्सप्रेस में अतिरिक्त स्लीपर और एसी कोच जोड़े जाएं

इंदौर से जम्मू के लिए स्पेशल ट्रेन चलाएं

अतिरिक्त कोच लगाने की मांग

यात्रियों ने रेल मंत्री और पश्चिम रेलवे से मांग की है कि अमरनाथ यात्रा अवधि के दौरान इंदौर-जम्मू स्पेशल ट्रेन चलाई जाए तथा मालवा एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगाकर आरक्षण संकट का समाधान किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा के लिए परेशान न होना पड़े।

मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने रेसीडेंसी कोठी पर आयोग मित्रों के साथ बैठक आयोजित की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह इंदौर प्रवास पर आये। उन्होंने रेसीडेंसी कोठी पर आयोजित बैठक में आयोग मित्रों के साथ मानव अधिकार सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक में आयोग मित्र रवि अतरोलिया, डॉ. अवनीश जैन, पराग अग्रवाल शामिल हुए। बैठक में आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग मानव अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही प्रशासन के कार्यों में सहयोग भी देता है। जहाँ कहीं भी मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है, उसे मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही करता है। उन्होंने कहा कि इंदौर स्थित मानव अधिकार आयोग के शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय में मानव अधिकार उल्लंघन से संबंधित आवेदन प्राप्त होते हैं। आयोग प्राप्त आवेदनों का निराकरण गंभीरता के साथ करता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के इंदौर स्थित शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय में रिनोवेशन किया जाना है, इसके लिए प्रशासन को पुनः अवगत कराया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, गुरुवार 09 जुलाई 2026

गौतमपुरा में नेताओं के संरक्षण में अवैध शराब का व्यापार

आबकारी के लिए चुनौती बनी अवैध शराब दुकान

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा क्षेत्र में लगातार अवैध शराब का कारोबार चर्चा का विषय बना हुआ है। पहले तो व्यापारी ही शराब का कारोबार करते थे । सूत्रों के अनुसार अब भाजपा नेताओं की एंट्री शराब ठेकेदारों के साथ साफ नजर आ रही है हिमालय ट्रेडर्स के शराब ठेकेदार कांग्रेस और भाजपा के नेताओं के साथ मिलकर ग्रामीण अंचल में अवैध शराब का कारोबार चलवा रहे हैं। यह भी जानकारी मिली है कि हिमालय ट्रेडर्स को सबसे ज्यादा संरक्षण गौतमपुरा के भाजपा नेताओं का है, जो दुकान की व्यवस्था का संचालन कर रहे हैं इसलिए इस शराब ठेकेदार पर ना तो आबकारी अधिकारी हाथ डाल रहे ना क्षेत्र की पुलिस हाथ डाल रही इतना ही नहीं नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक नशाखोरी को लेकर बड़े कारोबार चल रहे हैं लेकिन जिम्मेदार मूकदर्शक बने बैठे हैं कार्यवाही के नाम पर लगातार लीपा पोती की जा रही है।

गौतमपुरा में सत्ताधारी नेता अवैध शराब के कारोबार में अपने हाथ काले करने में लगे हैं एक अधिकारी ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि नगर परिषद से लेकर दिल्ली तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार

गौतमपुरा के निर्मल गांव में बना अवैध शराब का अड्डा

सोमकंपनी और पार्टनर मिलकर कर रहे अवैध शराब का काला कारोबार

है इसलिए अभी प्रशासनिक अधिकारी हाथ नहीं डालना चाहते। अपुष्ट जानकारी के अनुसार भाजपा नेता के साथ पूर्व नगर अध्यक्ष मोहन जायसवाल शराब दुकान में पार्टनर है इतना ही नहीं जिस जगह पर शराब दुकान का संचालन हो रहा है। उस दुकान पर भी मोहन जायसवाल ने कब्जा कर रखा है जिसकी शिकायत इंदौर कलेक्टर से लेकर प्रधानमंत्री तक की गई लेकिन उस गरीब बेसहारा को अब तक न्याय नहीं मिला। अवैध शराब अड्डों पर कार्रवाई को लेकर आबकारी अधिकारी अब तक खाली हाथ है। डीसी, एसी, कंट्रोलर एरिया इंस्पेक्टर कार्रवाई के नाम पर लगातार असफल साबित हुए हैं इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिकारियों पर सत्ता पक्ष के नेताओं का दबाव बना हुआ है आबकारी अधिकारी चाह कर भी कार्यवाही नहीं कर सकते क्या यही लोकतंत्र है जो कानून की रक्षा करने वाले हैं वह कानून के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं क्या मोहन राज में मध्य प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था गड़बड़ा गई है। मोहन राज में क्या शराब माफिया के हौसले बुलंद है इतना ही नहीं मुख्यमंत्री जिले के प्रभारी मंत्री हैं उसके बावजूद भी अधिकारियों के हाथ बंधे हुए हैं प्रदेश में जब शिवराज सिंह मुख्यमंत्री थे तब अधिकारियों को खुली छूट मिलती थी कहीं नशा तस्करों की शिवराज सरकार ने कमर तोड़ दी थी मुख्यमंत्री आपको अधिकारियों को खुली छूट देना होगी तब जाकर प्रदेश का कल्याण होगा नहीं तो शराब माफिया और बड़े शराब माफिया बन जाएंगे गौतमपुरा में सत्ताधारी नेता क्या शराब ठेकेदार को खुला संरक्षण देंगे सत्ता का दुरुपयोग किया जाएगा कुछ नेता गौतमपुरा में पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं गरीबों के लिए नियम अमीरों को खुली छूट आखिर किसके संरक्षण में दी जा रही है प्रशासन की कार्यप्रणाली पर लगातार बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं क्योंकि नगर की पहली व्यवस्था प्रशासन के हाथ में रहती है।

सिस्टम की मेहरबानी या दबंगों का खौफ, दलितों की जमीन पर अवैध कब्जा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर/खुड़ैल • इंदौर जिले से एक बेहद गंभीर और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाने वाला मामला सामने आया है। खुडैल तहसील के ग्राम उज्जैनी में दबंगों द्वारा दलितों की जमीनों पर खुलेआम अवैध कब्जा किया जा रहा है। विडंबना यह है कि सिस्टम की चौखट पर न्याय की गुहार लगाने के बावजूद, पीड़ित किसानों को प्रशासन की लापरवाही और दबंगों की दहशत के साये में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है।

खेतों में जाने पर मारपीट और गालियां –ग्राम उज्जैनी में हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि दलित किसानों को उनके ही खेतों में जाने से रोका जा रहा है। यदि कोई किसान हिम्मत करके अपने खेत की ओर रुख करता है, तो गांव के दबंग खुलेआम गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। इस गुंडागर्दी के कारण पीड़ित परिवारों में भारी डर और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। वे अपनी ही जमीन पर जाने से खौफ खा रहे हैं।

फाइलों के चक्रव्यूह में फंसा न्याय – पीड़ितों ने न्याय पाने के लिए हर दरवाजा खटखटाया है। 181 सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने से लेकर कलेक्टर और एसपी कार्यालय तक आवेदन दिए जा चुके हैं। लेकिन प्रशासनिक संवेदनहीनता का आलम यह है कि वरिष्ठ अधिकारी इन आवेदनों पर केवल 'रिमार्क' लिखकर फाइलें वापस उन्हीं निचले स्तर के अधिकारियों को सौंप देते हैं, जो इस मामले में पहले से ही कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। शिकायत निवारण के नाम पर हो रही इस खानापूर्ति ने पीड़ितों को और अधिक निराश कर दिया है।

मुख्यमंत्री से लगाई न्याय और सुरक्षा की गुहार – दबंगों के खौफ और स्थानीय प्रशासन के सुस्त रवैये से हताश होकर, अब इन पीड़ित दलित किसानों ने सीधे प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय से हस्तक्षेप की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

धर्म ही जीवन का वास्तविक एवं अमूल्य धन- प.पू. आदित्य मुनि म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • धर्म आत्मा का शाश्वत धन है। यही ऐसा अमूल्य धन है जो जन्म-जन्मान्तर तक आत्मा के साथ बना रहता है तथा उसके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। धर्म हमारे लिए प्राणों से भी अधिक प्रिय होना चाहिए। धर्म का सही मूल्य तभी समझ में आ सकता है जब हम उसे केवल सामायिक, प्रतिक्रमण अथवा अन्य धार्मिक क्रियाओं तक सीमित न मानते हुए सम्पूर्ण जीवन का आधार मानेंगे। धर्म ही वह अमूल्य तत्व है जो प्रत्येक वस्तु को सही दिशा, उचित उपयोग और वास्तविक मूल्य प्रदान करता है। वास्तव में धर्म ही जीवन का वास्तविक एवं अमूल्य धन है। शेष समस्त भौतिक वैभव क्षणभंगुर और नाशवान हैं। ये प्रेरक उदगार हैं प.पू. आचार्य रामेश के सुशिष्य शासन दीपक प.पू. आदित्य मुनि महाराज के, जो उन्होंने बुधवार को यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन में साधुमार्गी जैन समता संघ के तत्वावधान में आयोजित विशाल धर्मसभा में 'धर्म की महत्ता' के संदर्भ में व्यक्त किए।

केन्द्रीय साईं सेवा समिति में चावला बने कार्यकारी अध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • केन्द्रीय साईं सेवा समिति में साईं भक्त वासुदेव चावला को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चावला समिति की स्थापना के समय से ही जुड़े हुए हैं। उन्हें समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक ने यह नया दायित्व सौंपा है। अपना पदभार ग्रहण करने के पूर्व चावला बुधवार को गुरु चरणों में आशीर्वाद लेने के लिए रमेश मोटवानी, पिंकी भाटिया एवं अन्य साईं भक्तों तथा परिजनों के साथ अमृतसर के लिए प्रस्थित हुए जहाँ वे पवित्र स्वर्ण मंदिर में हरमिंदर साहिब के दरबार में मत्था टेककर सभी साईं भक्तों के उज्जवल भविष्य और यशस्वी जीवन की प्रार्थना करेंगे।

इस्कॉन मंदिर की जगन्नाथ रथ यात्रा की प्रचार सामग्री का हुआ लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • निपान्या स्थित इस्कॉन मंदिर के तत्वावधान में रविवार 19 जुलाई को दोपहर 2 बजे शहर के पश्चिम क्षेत्र स्थित श्री अन्नपूर्णा मंदिर से निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा की प्रचार सामग्री का लोकार्पण बुधवार को वरिष्ठ समाजसेवी विनोद अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ रथ यात्रा जैसा आयोजन देवी अहिल्या की इस नगरी के लिए सौभाग्य एवं पुण्य का विषय है। शहर की गौरवशाली परम्परा के अनुरूप हम सबको जगन्नाथ रथ यात्रा का पूरे जोश एवं उत्साह के साथ स्वागत करना चाहिए।

इस्कॉन मंदिर इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास प्रभु ने बताया कि श्री अन्नपूर्णा मंदिर से राजवाडा स्थित गोपाल मंदिर तक निकलने वाली इस रथ यात्रा की तैयारियों में शहर के अनेक धार्मिक सामाजिक संगठन भी अपनी सक्रिय भागीदारी करने के लिए उत्सुक बने हुए हैं। आज प्रचार सामग्री के लोकार्पण के दौरान रथ यात्रा संयोजक हरि अग्रवाल, किशोर गोयल, अशोक गोयल, शैलेन्द्र मित्तल एवं मंदिर से जुड़े श्रद्धालु उपस्थित थे। रथ यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु शुक्रवार 10 जुलाई को शाम 6 बजे अन्नपूर्णा मंदिर पर एक महत्वपूर्ण बैठक रखी गई है जिसमें यात्रा मार्ग, स्वागत मंच एवं मथुरा-वृन्दावन से आने वाली साज सज्जा सामग्री सहित रथों के स्वरुप पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएँगे। रथ यात्रा को एतिहासिक और सार्थक एवं सफल बनाने के लिए इस्कॉन से जुड़े देश-विदेश के संत एवं श्रद्धालु भी इंदौर आएंगे।

फिर अस्तित्व में आई स्थानीय अखाड़ा परिषद-अध्यक्ष बोले- मनमुटाव खत्म

सात महीने पहले भंग हुई स्थानीय अखाड़ा परिषद का बुधवार को पुनर्गठन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • निरंजनी अखाड़े में आयोजित बैठक में शैव, वैष्णव, उदासीन, नाथ और अन्य संप्रदायों के संत-महंत एक मंच पर आए और परिषद को फिर से सक्रिय करने का निर्णय लिया। संतों ने यह भी तय किया कि वर्ष 2028 के सिंहस्थ की तैयारियों और प्रशासन से जुड़े सभी विषयों पर अब संयुक्त रूप से कार्य किया जाएगा।

इस बैठक में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत डॉ. रवींद्र पुरी महाराज, निर्मोही अखाड़े के श्रीमहंत मदन मोहन दास महाराज सहित सभी प्रमुख अखाड़ों के संत-महंत मौजूद रहे। बैठक में उज्जैन और नासिक कुंभ से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई तथा सभी ने एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

30 नवंबर 2025 को दत्त अखाड़े में आयोजित आपात बैठक में स्थानीय अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों ने इस्तीफा देकर

परिषद को भंग कर दिया था। इसके बाद शैव और वैष्णव संप्रदायों के बीच मतभेद गहरा गए थे। वैष्णव अखाड़ों ने अलग होकर 'रामादल अखाड़ा परिषद' के गठन की घोषणा कर दी थी और सिंहस्थ से जुड़े मामलों में अलग से प्रशासन से चर्चा करने की बात कही थी। पिछले कुछ समय से दोनों पक्षों के बीच संवाद जारी था। मंगलवार को निर्मोही अखाड़े की ओर से श्रीमहंत रवींद्र पुरी महाराज के नेतृत्व का समर्थन किए जाने के बाद बुधवार को सभी संत एक साथ बैठे और परिषद को पुनर्जीवित करने पर सहमति बन गई। स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज ने कहा कि परिषद को पुनर्जीवित कर दिया गया है और पूर्व के सभी पदाधिकारी पहले की तरह अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे। अब शैव, वैष्णव, उदासीन, नाथ सहित सभी संप्रदाय मिलकर प्रशासन के साथ समन्वय करेंगे और सिंहस्थ-2028 के लिए आवश्यक सुझाव संयुक्त रूप से देंगे।

हवाई हमलों से बचाव एवं आपदा प्रबंधन पर कैप्सूल प्रशिक्षण आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर जिले में होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबन्धन द्वारा राला मंडल स्थित प्रशिक्षण केंद्र में हवाई हमलों से बचाव एवं आपदा प्रबंधन विषयक कैप्सूल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन होमगार्ड मुख्यालय एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार किया गया। उक्त प्रशिक्षण श्रीमती प्रीतिबला सिंह, डिवीजनल कमांडेंट, होमगार्ड संभाग इंदौर के मार्गदर्शन तथा श्रीमती मधु राजेश तिवारी, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, होमगार्ड इंदौर एवं श्री सुमत जैन, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, स्थ्श्वक्र्न इंदौर के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को हवाई हमलों की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, सायरन बजने पर अपनाई जाने वाली आवश्यक कार्यवाही, ब्लैकआउट के दौरान सुरक्षा उपाय, राहत एवं बचाव कार्य तथा आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई।

दृष्टी व शुभम को मध्यप्रदेश योग टीम की कमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • डब्ल्यूवायएसएफ इंडिया योग स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश योगा एसोसिएशन द्वारा मंदसौर में 10 से 12 जुलाई तक आयोजित होने वाली 11वी नेशनल योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लेने वाली मध्यप्रदेश टीम की घोषणा मप्र योगा एसोसिएशन अध्यक्ष हरिनारायण यादव ने की । बालिका व बालक टीम का नेतृत्व क्रमशः दृष्टी पचौरी व शुभम तरज करेंगे । टीम इस प्रकार है -

बालिका टीम - दृष्टि पचौरी (कप्तान), मलक शाह, आरोही कनौजिया, मिश्का तिवारी, हनीशा चौधरी, हर्षाली पांडे, माही सिसौदिया, मिशिका जैन, विधि चौहान, काव्या भट्ट, राभ्या रोहित, शरण्या राठौड़, अयांशी परसरामपुरिया, महिका सिसौदिया, अदविका परसरामपुरिया, देवीशी गुप्ता, श्रेया शर्मा, चेताली जोशी, नित्या भदोरिया, मानसी बागोरा ।

बालक टीम - शुभम तरज (कप्तान), शिवाय जोशी, अव्यान व्यास, मनवीर गुर्जर , वरदान बाहेती,

अर्णव निगम, रेयांश माली, देव्यांश वर्मा, कुशाग्र जैन, विनय मनावरे, अतुलित मिश्रा, कुशाग्र सिंह चौहान, अंश रघुवंशी, पीयूष ताराज, दक्ष माल्या, प्रिंस मनावरे, लवय बोरदिया, वीर गुप्ता, प्रथम जोशी, आदित्य राज सोनी, कीर्तन गेहलोद । बालिका व बालक टीम के कोच क्रमशः मीनाक्षी गुप्ता व प्रदीप तिवारी एवं मैनेजर रुद्राक्ष शर्मा होंगे ।

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए 8 से 15 जुलाई तक महाविद्यालयों में लगेगा 'प्रवेश मेला'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 से 15 जुलाई तक 'प्रवेश मेला' आयोजित किया जा रहा है। अतिरिक्त सीएलसी राउंड के दौरान प्रवेश प्रक्रिया को गति देने एवं पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रवेश मेले के दौरान महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पंजीयन, चॉइस फिलिंग एवं संशोधन, दस्तावेज सत्यापन, सीट आवंटन संबंधी मार्गदर्शन तथा शुल्क भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पात्र विद्यार्थी उसी दिन अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। महाविद्यालयों में प्रवेश मेला प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा। महाविद्यालयों द्वारा पोर्टल पर उपलब्ध लंबित पंजीयन, सत्यापन, प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद भी शुल्क जमा नहीं करने वाले विद्यार्थियों की सूची का परीक्षण कर उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जाएगा। विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिन पाठ्यक्रमों एवं संकायों में रिक्त सीटों की संख्या अधिक है, वहां विशेष प्रयास किए जाएंगे। विद्यार्थियों को उपलब्ध पाठ्यक्रमों, विषय चयन एवं चॉइस संशोधन के संबंध में आवश्यक परामर्श प्रदान किया जाएगा। स्थानीय विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों, पालकों एवं पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से प्रवेश जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

मुनि सुधासागर महाराज के चातुर्मास हेतु सामाजिक संसद ने शुभ उदय तीर्थ बीनागंज गुना में अर्पित किया श्रीफल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर दिगंबर जैन समाज के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। जैन समाज के आराध्य, जगत पुज्य परम पूज्य राष्ट्रसंत मुनि पुगवं श्री 108 सुधासागर जी महाराज का पावन वर्षायोग (चातुर्मास) इस वर्ष मां अहिल्या की धर्म नगरी इंदौर में कराने हेतु समंग्र जैन समाज के कदम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया की आज इंदौर दिगंबर जैन सामाजिक संसद (कीर्ति स्तंभ) के नेतृत्व में समंग्र जैन समाज के प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमण्डल ने बीनागंज गुना पहुँचकर गुरुवर के पावन श्री चरणों में भक्तिभाव पूर्वक श्रीफल अर्पित कर इंदौर पधारने का भावभरा निमंत्रण दिया।

वक्फ बोर्ड विवाद में निकाह काजी का इस्तीफा

भोपाल (एजेंसी) • मप्र वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति से उपजा विवाद थम नहीं रहा है। ताजा घटनाक्रम में इस फैसले का विरोध करते हुए भोपाल में निकाह काजी मोहम्मद मआज खान नोमानी नदवी ने इस्तीफा दे दिया है। नदवी ने बुधवार को निकाह काजी के पद के साथ ही दीनी तालीमी बोर्ड, जमीयत उलेमा मध्य प्रदेश के महासचिव पद से भी त्यागपत्र सौंपा है। उन्होंने पहला इस्तीफा शहर काजी मौलाना सैयद मुश्ताक अली नदवी जबकि दूसरा दीनी तालीमी बोर्ड, जमीयत उलेमा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल कलाम कासमी को भेजा। दोनों ही पत्रों में उन्होंने वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों और उनके समर्थन को अपने इस्तीफे का कारण बताया है। नदवी ने लिखा- मुझे जो जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, मैंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा से उन्हें निभाने का प्रयास किया। वर्तमान परिस्थितियों में इन पदों पर बने रहना संभव नहीं रह गया है। वहीं, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल के स्वागत समारोह पर मुफ्ती मोहम्मद मसरूर ने नाराजगी जताई है। नदवी ने कहा कि वक्फ बोर्ड एक धार्मिक और इस्लामिक संस्था है। ऐसे में इसमें गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया जाना उन्हें स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा, 'धार्मिक संस्था में हमारे हमवतन भाइयों का क्या काम है? कम से कम जिम्मेदार लोगों को इतना तो कहना चाहिए था कि यह फैसला ठीक नहीं है।'

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

हर बरसात में डूबते शहर, दरकते पहाड़... आखिर कब होगी तैयारी पूरी?

देश में मानसून के दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की एक बड़ी वजह खराब बुनियादी ढांचे, अनियोजित शहरीकरण, जलनिकासी की माकूल व्यवस्था न होना, अवैज्ञानिक एवं अवैध तरीके से खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई है। भारी बारिश के बीच जलमग्न शहर, भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी क्षेत्र और राहत-बचाव अभियान को दर्शाती सांकेतिक फीचर इमेज, जो मानसून के दौरान बाढ़, जलभराव और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को दर्शाती है। देश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश, जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए समय रहते मजबूत बुनियादी ढांचे और प्रभावी आपदा प्रबंधन की आवश्यकता है। देश भर में हर साल मानसून का बेसब्री से इंतजार किया जाता है, क्योंकि कृषि, पेयजल, ऊर्जा और गर्मी से राहत के दृष्टिकोण से इसे जीवन का आधार माना जाता है। मगर जब मानसून भारी बारिश के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है, तो जीवन की रफ्तार थम जाती है। मैदानों में सड़कों पर जलभराव से यातायात ठप हो जाता है और बाढ़ की वजह से कई लोगों को अपने घर छोड़ने पड़ते हैं। वहीं, पहाड़ों पर भूस्खलन और बादल फटने की घटनाएं कई जिंदगियों को लील लेती हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इसे प्राकृतिक आपदा का नाम दिया जाता है, लेकिन असल में इसके लिए काफी हद तक मानव-निर्मित परिस्थितियां भी जिम्मेदार होती हैं। इस बार भी मानसून को आए अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं और जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक बाढ़, भूस्खलन तथा जलभराव का सिलसिला शुरू हो गया है। केरल के वायनाड में बीते मंगलवार को हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अभी तक लापता हैं। मुंबई पहले से ही भारी बरसात से बेहाल है और बुधवार को बारिश से दिल्ली का भी यही हाल हो गया। देश में मानसून के दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की एक बड़ी वजह खराब बुनियादी ढांचे, अनियोजित शहरीकरण, जलनिकासी की माकूल व्यवस्था न होना, अवैज्ञानिक एवं अवैध तरीके से खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई है। भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण हर साल सैकड़ों जानें जाती हैं और करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट हो जाती है। मैदानी इलाकों में महानगरों से लेकर छोटे शहरों में ढांचागत विस्तार तो हो रहा है, लेकिन मुख्य रूप से जल निकासी की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जाता है।

एफएसएस एआई का चला बड़ा डंडा एक्शन पार्ट-2-भ्रामक फूड लेबलिंग पर कसता शिकंजा

वैश्विक स्तरपर आज का उपभोक्ता केवल भोजन नहीं खरीदता, बल्कि स्वास्थ्य विश्वास और जीवनशैली भी खरीदता है।यही कारण है कि खाद्य उद्योग ने अपने उत्पादों पर फ्रेश, हेल्दी, प्योर, नेचुरल, 100 प्रतिशत आर्गेनिक, ज़ीरो शुगर, नों एडेड शुगर, इम्युनिटी बूस्टर और होलसमथिंग जैसे आकर्षक शब्दों का व्यापक उपयोग शुरू कर दिया है। एफ़एसएस एआई ने भ्रामक विज्ञापनों और गलत लेबलिंग के खिलाफ अपने देशव्यापी अभियान का विस्तार कर दिया है। 6 जुलाई की कार्रवाई के ठीक दो दिन बाद,यानी 8 जुलाई को एफएसएस एआई ने बड़ा एक्शन पार्ट-2 लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर आधिकारिक घोषणा करते हुए देश के तीन अन्य बड़े ब्रांडों को कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया है। इन शब्दों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव इतना गहरा होता है कि अधिकांश ग्राहक पैकेट के सामने लिखे दावों को ही अंतिम सत्य मान लेते हैं और पीछे दिए गए वास्तविक तथ्यों को पढ़ने की आवश्यकता भी नहीं समझते।परिणाम स्वरूप, उपभोक्ता कई बार ऐसे उत्पाद खरीद लेते हैं जो वास्तव में उतने स्वास्थ्य वर्धक नहीं होते जितना उनका प्रचार किया जाता है। भारत में इस प्रवृत्ति पर निर्णायक कार्रवाई की शुरुआत दिखाई दे रही है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएस एआई) ने कई कंपनियों को उनके भ्रामक दावों के संबंध में नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। यह केवल कुछ कंपनियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे खाद्य उद्योग के लिए स्पष्ट संदेश है कि अब बिना वैज्ञानिक प्रमाण के किए गए स्वास्थ्य संबंधी दावों को सटीकता से स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारत में खाद्य सुरक्षा का पूरा कानूनी ढांचाखाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 पर आधारित है, जिसने पहले से लागू अनेक अलग- अलग खाद्यकानूनों को एकीकृत कर आधुनिक और वैज्ञानिक व्यवस्था प्रदान की। इस अधिनियम की धारा 24 विशेष रूप से भ्रामक विज्ञापनों और गलत दावों पर रोक लगाती है। कोई भी निर्माता, विक्रेता या कंपनी ऐसा विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकती जो उत्पाद की गुणवत्ता,प्रकृति,संरचना या स्वास्थ्य संबंधी लाभों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करे अथवा उपभोक्ता को भ्रमित करे। यही कारण है कि यदि कोई कंपनी 100 प्रतिशत प्राकृतिक या पूर्णत: शुद्ध लिखती है तो उसे यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध करना होगा कि उसका दावा वस्तुत: सही है।इसी उद्देश्य से एफएसएसएआई (विज्ञापन एवं दावे) विनियम, 2018 लागू किए गए। इन विनियमों ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक स्वास्थ्य दावा, पोषण दावा अथवा गुणवत्ता संबंधी दावा वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित होना चाहिए। विशेष रूप से अनुसूची-5 में नेचुरल, फ्रेश, प्योर, ओरिजिनल तथा ट्रेडिशनल जैसे शब्दों के उपयोग के लिए अत्यंत कठोर मानदंड निर्धारित किए गए हैं। इन मानकों के अनुसार अधिकांश प्रसंस्कृत (प्रोसेसड) खाद्य पदार्थ वास्तव में नेचुरल अथवा फ्रेश कहलाने की पात्रता ही नहीं रखते। अर्थात केवल विपणन (मार्केटिंग) के उद्देश्य से इन शब्दों का उपयोग करना कानून का उल्लंघन माना जा सकता है।

आज सबसे अधिक भ्रम ज़ीरो शुगर और नों एडेड शुगर जैसे शब्दों को लेकर है। सामान्य उपभोक्ता दोनों को समान समझता है,जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से दोनों का अर्थ अलग-अलग है। नों एडेड शुगर का अर्थ केवल इतना है कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त चीनी नहीं मिलाई गई। इसका अर्थ यह नहीं कि उत्पाद में प्राकृतिक शर्करा या अन्य प्रकार की शर्करा मौजूद नहीं है। कई कंपनियां सुक्रोज,माल्टोडेक्सट्रिन, हाई- फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप,डेक्सट्रोज, इनवर्ट शुगर,कॉन्सन्ट्रेटेड फ्रूट जूस अथवा अन्य कार्बोहाइड्रेट स्रोतों का उपयोग करती हैं, जो शरीर में जाकर अंतत: ग्लूकोज में परिवर्तित होते हैं। इसलिए केवल पैकेट के सामने लिखे आकर्षक दावे पर विश्वास करना उपभोक्ता के लिए सटीकता से जोखिमपूर्ण हो सकता है।

भारतीय कानून केवल खाद्य सुरक्षा तक सीमित नहीं है।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अंतर्गत गठित केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को भी भ्रामक विज्ञापनों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का अधिकार प्राप्त है। यह संस्था स्वत: संज्ञान लेकर कंपनियों पर भारी आर्थिक दंड लगा सकती है, विज्ञापन वापस लेने का आदेश दे सकती है तथा आवश्यक होने पर ऐसे प्रचार में शामिल प्रसिद्ध व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगा सकती है। इस प्रकार एफएसएसएआई और सीसीपीए मिलकर उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और आर्थिक हितों की दोहरी सुरक्षा प्रदान करते हैं।भारत की संघीय व्यवस्था में कानून केंद्र बनाता है,किंतु उसका वास्तविक क्रियान्वयन राज्यों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक राज्य में खाद्य सुरक्षा आयुक्त नियुक्त होते हैं, जिनके अधीन नामित अधिकारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्य करते हैं।यहीअधिकारी खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हैं,नमूने लेते हैं,प्रयोगशाला परीक्षण कराते हैं, उल्लंघन पाए जाने पर उत्पाद जब्त करते हैं तथा न्यायालयों में अभियोजन चलाते हैं। यदि किसी कंपनी का उत्तर असंतोषजनक पाया जाता है तो उसका लाइसेंस निलंबित या रद्द भी किया जा सकता है। इस प्रकार केंद्रीय नियमों का वास्तविक प्रभाव राज्य स्तर के प्रभावी प्रवर्तन पर निर्भर करता है।

वर्तमान कार्रवाई केवल कुछ कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय खाद्य उद्योग के लिए एक व्यापक चेतावनी है कि भविष्य में बिना वैज्ञानिक आधार के किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी दावे स्वीकार नहीं किए जाएंगे।यदि किसी उत्पाद कोइम्युनिटी बूस्टर, हार्ट हेल्दी,डायबिटिक फ्रेंडली अथवा पूर्णत: प्राकृतिक कहा जाता है, तो निर्माता को उसके समर्थन में वैज्ञानिक अनुसंधान, परीक्षण तथा प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। केवल विपणन की भाषा अब पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वे सही उत्पाद की पहचान कैसे करें। किसी भी पैकेज्ड खाद्य पदार्थ को खरीदते समय केवल सामने लिखे दावों पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। सबसे पहले पीछे दी गई इंग्रेडिट्स लिस्ट को पढ़ना चाहिए। कानून के अनुसार सामग्री घटते क्रम में लिखी जाती है। यदि किसी तथाकथित हेल्दी बिस्कुट में सबसे पहले मैदा और दूसरे स्थान पर चीनी लिखी है, तो इसका अर्थ स्पष्ट है कि वही उसकी प्रमुख सामग्री है।इसी प्रकार पोषण संबंधी तालिका में प्रति 100 ग्राम चीनी, सोडियम, संतृप्त वसा और ऊर्जा की मात्रा देखनी चाहिए। कंपनियां कई बार बहुत छोटे सर्विंग साइज का उपयोग करके वास्तविक मात्रा कम दिखाई देती हैं।इसलिए प्रति 100 ग्राम का कॉलम ही सही तुलना का सटीक आधार होता है। प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पाद पर अंकित 14 अंकों का एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर अवश्य देखना चाहिए। यही नंबर बताता है कि उत्पाद अधिकृत इकाई द्वारा निर्मित है। आवश्यकता पड़ने पर इस लाइसेंस नंबर का सत्यापन भी किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त निर्माण तिथि समाप्ति तिथि,शाकाहारी अथवा मांसाहारी चिह्न एलर्जी संबंधी चेतावनी तथा भंडारण संबंधी निर्देशों को भी गंभीरता से पढ़ना चाहिए।

भारत ने भी अपने नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया है। हालांकि अभी भी एक महत्वपूर्ण सुधार शेष है,फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग अनेक विशेषज्ञ वर्षों से सुझाव दे रहे हैं कि जिन खाद्य पदार्थों में अत्यधिक चीनी, नमक या संतृप्त वसा हो, उनके पैकेट के सामने ही स्पष्ट चेतावनी अंकित की जाए। इससे उपभोक्ता बिना पूरा पैकेट पढ़े भी जोखिम का प्रारंभिक आकलन कर सकेगा। विश्व के अनेक देशों में ऐसी प्रणाली सफल सिद्ध हुई है और भारत में भी इसे शीघ्र लागू करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।वर्तमान समय में खाद्य उद्योग केवल स्वाद नहीं बेच रहा, बल्कि स्वास्थ्य की छवि भी बेच रहा है। उपभोक्ता का मनोविज्ञान इस प्रकार प्रभावित किया जाता है कि वह चमकीले रंग, आकर्षक पैकेजिंग और स्वास्थ्य संबंधी दावों के आधार पर निर्णय लेने लगता है। यही कारण है कि आधुनिक उपभोक्ता के लिए वैज्ञानिक जागरूकता उतनी ही आवश्यक है जितनी कानूनी सुरक्षा।यदि उपभोक्ता स्वयं सामग्री सूची,पोषण तालिका और लाइसेंस विवरण पढ़ने की आदत विकसित कर ले, तो भ्रामक विपणन का प्रभाव स्वत:कम हो जाएगा।एफएस एसएआई द्वारा हाल में जारी नोटिस भारतीय खाद्य विनियमन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत हैं। इससे स्पष्ट संदेश गया है कि केवल विपणन की भाषा के सहारे उपभोक्ताओं को प्रभावित करने की संस्कृति अब स्वीकार नहीं की जाएगी। यह कदम ईमानदार कंपनियों के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इससे निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और गुणवत्ता आधारित बाजार सटीकता से विकसित होगा।

-संकलनकर्ता लेखक -**एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**, गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

चरनोई भूमि का फर्जी सर्टिफिकेट, पंचायत सचिव गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी • निसरपुर पुलिस ने फरार आरोपी पंचायत सचिव साधुराम फुलमाली को गिरफ्तार किया है। 62 वर्षीय साधुराम, जो ग्राम कटनेरा निवासी और वर्तमान में सुसारी में रह रहा था, पर ग्राम निंबोल में चरनोई की शासकीय भूमि का स्वामित्व प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से बनाने का आरोप है। यह मामला हाईकोर्ट के निर्देश पर दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई 23 फरवरी को ग्राम निंबोल के मोतीलाल पाटीदार की याचिका पर इंदौर उच्च न्यायालय खंडपीठ के आदेश के बाद हुई।

आदेश के अनुसार, ग्राम निंबोल 4.25 हेक्टेयर भूमि को ग्राम पंचायत निंबोल द्वारा विनोद पिता हेमराज और रंजना पति विनोद को वारिस बताकर स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी किया गया था। इसी प्रमाण पत्र के आधार पर विनोद पाटीदार ने चरनोई की भूमि की रजिस्ट्री करवाकर उस पर मकान बना लिया था। हाईकोर्ट के आदेश पर हुई जांच में यह भूमि चरनोई की शासकीय भूमि पाई गई। तत्कालीन सचिव साधुराम फुलमाली पर विनोद पाटीदार और रंजना पाटीदार के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री करवाने का आरोप है, जिसके बाद अपराध पंजीबद्ध किया गया था। निसरपुर पुलिस पहले ही सह-आरोपी विनोद पाटीदार को गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि पंचायत सचिव साधुराम फुलमाली फरार चल रहा था। साधुराम की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने 3000 रुपये का इनाम घोषित किया था।

चौकी प्रभारी रवि वास्के ने बताया कि निसरपुर पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर फरार आरोपी साधुराम फुलमाली को ग्राम सुसारी से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कुक्षी दीपक सिंह चौहान, चौकी प्रभारी निसरपुर रवि वास्के, सहायक उपनिरीक्षक भुवान चौहान, सुभाष चौहान, गौरव किशन, थानसिंह और रवि अलावे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

किसानों ने कलेक्टर से की मुलाकात, मूंग खरीदी समेत बिजली, खाद, सिंचाई और मंडी की समस्याएं उठाईं

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन •भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर भव्या मित्तल से मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने शत-प्रतिशत मूंग खरीदी, अलग बिजली व्यवस्था, खाद की उपलब्धता और अधूरी सिंचाई परियोजनाओं सहित सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। किसानों की समस्याएं सुनने के बाद कलेक्टर ने एनवीडीए, कृषि विभाग, जिला सहकारी बैंक, मंडी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की तत्काल बैठक बुलाई। बैठक में किसानों ने अपनी मांगों को विस्तार से रखा। कलेक्टर ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। संबंधित विभागों के माध्यम से उनका जल्द निराकरण कराया जाएगा। किसानों ने अधूरी सिंचाई परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग की। उन्होंने मूंग खरीदी को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की मांग रखी। साथ ही टोकन बुकिंग में आ रही परेशानी, अधिक शुल्क और डीएपी, पोटाश व एनपीके जैसे उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही। बिजली व्यवस्था को लेकर किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डीएल और इरिगेशन फीडर पर एक गांव में काम होने पर 8 से 10 गांवों की बिजली बंद कर दी जाती है। उन्होंने प्रत्येक गांव में कट पॉइंट या एबी स्विच लगाने की मांग की, ताकि अन्य गांवों की बिजली प्रभावित न हो। बैठक में खमलाय सोसायटी के मैनेजर द्वारा वेतन वृद्धि और सेवा अवधि मनमाने तरीके से बढ़ाने का मामला भी उठाया गया। किसानों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा भीकनगांव कृषि उपज मंडी में छोटे प्रांगण से किसानों को हो रही परेशानी का मुद्दा भी रखा गया। किसानों ने कपास और गल्ला मंडी को अलग-अलग करने की मांग की। साथ ही जिले के सभी तालाबों के निकासी गेटों की मरम्मत कराने की मांग भी की।

गांजा की खेती करने वाले दो लोगों को सजा, कोर्ट से 3-3 साल जेल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • गांजा की अवैध खेती करने के मामले में विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए 3-3 साल जेल की सजा और 20-20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया हैं। जुर्माना जमा नहीं करने पर 6-6 महीने की सजा और भुगतनी होगी। फैसला विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट अनिल चौधरी ने बुधवार को सुनाया। कोर्ट ने गणपत पिता छगन तोमर (43) और मोतीराम पिता तुकाराम कुम्हार (63) निवासी भकराड़ा को एनडीपीएस एक्ट की धारा में दोषी पाया हैं। बता दें कि, दोनों आरोपियों की भूमिका अलग-अलग पाई गई थी। शासकीय अधिवक्ता अश्विनी भाटे ने बताया कि, 17 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन जावर टीआई गंगाप्रसाद वर्मा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम भकराड़ा की कोसामिया फालिया स्थित खेत में कपास और तुअर की फसल के बीच गांजे की खेती की जा रही है। सूचना के बाद पुलिस ने पंचों और इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे के साथ मौके पर दबिश दी।

जांच में खेत से गांजे के 20 हरे पौधे बरामद हुए, जिनका कुल वजन 4.850 किलोग्राम पाया गया। यह मात्रा छोटी मात्रा से अधिक और व्यावसायिक मात्रा से कम थी। पुलिस ने मौके पर पौधों को जब्त कर आवश्यक नमूने लिए और एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया।

न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार सर्वे नंबर 209 की एक हेक्टेयर कृषि भूमि गणपत को बंटाई पर दी गई थी। अभियोजन ने बताया कि इसी खेत में कपास और तुअर की फसल के बीच गांजे के पौधों का अवैध उत्पादन किया जा रहा था। सुनवाई के दौरान जब्ती पंचनामा, एफएसएल संबंधी दस्तावेज, पुलिस अधिकारियों एवं गवाहों के बयान सहित अन्य साक्ष्य प्रस्तुत किए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया और सजा सुनाई।

फैसले में न्यायालय ने आदेश दिया कि जब्त 20 गांजे के पौधे व उनसे संबंधित मिट्टी को अपील अवधि पूरी होने के बाद नियमानुसार नष्ट किया जाए। प्रकरण में जब्त अन्य सामग्री के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

दो राशन दुकानों में गड़बड़ी, डही में सेल्समैन पर एफआईआर

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी • डही ब्लॉक के ग्राम बड़दा और रणगांव में राशन दुकानों पर वितरण में बड़ी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनीता मसराम की शिकायत पर डही थाना पुलिस ने दोनों दुकानों के सेल्समैन नूरसिंह बघेल पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। ग्राम बड़दा स्थित दुकान की जांच के दौरान ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज स्टॉक की तुलना में 179.44 क्विंटल गेहूं, 91.65 क्विंटल चावल और 58 किलो शक्कर कम पाई गई। जांच के समय दुकान बंद थी, जिसके बाद ग्राम कलमी निवासी सेल्समैन नूरसिंह बघेल को घर से बुलाकर स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि बड़दा दुकान पर करीब 8.73 लाख रुपए मूल्य की राशन सामग्री हितग्राहियों को वितरित नहीं की गई थी। इस सामग्री को कथित तौर पर बाजार में कालाबाजारी कर बेच दिया गया।

नियमों के उल्लंघन पर दूसरा केस दर्ज

सेल्समैन नूरसिंह बघेल के संचालित ग्राम रणगांव की शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर भी जांच टीम को भारी अनियमितताएं मिलीं। पीडीएस के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी सेल्समैन के खिलाफ दूसरा मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाली के लिए चंदा किया, 1100 पेड़ लगाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा में ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि चंदा कर लोगों के द्वारा हरियाली बढ़ाई जा रही हैं। 500-500 रुपए इकठ्ठा कर लोग ट्री-गार्ड और पौधा खरीद रहे हैं, इस तरह 1100 पौधे देवझिरी पर लगाए जा रहे हैं। जहां भूतेश्वर महादेव का मंदिर हैं, मंदिर में शिवलिंग पर 24 घंटे और बारह महीने प्राकृतिक रूप से जल अर्पित होता रहता हैं। इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम भोजाखेड़ी में देवझिरी मंदिर प्रांगण में इस पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

पौधारोपण के लिए 1100 गड्ढे खोदने के साथ अब इनमें पौधारोपण किया जा रहा हैं। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक छाया मोरे, जनपद अध्यक्ष महेंद्रसिंह सावनेर, जिला पंचायत सदस्य नानकराम बरवाहे, श्रीराम चौधरी, सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र मंडलोई सहित कलेक्टर ऋषव गुप्ता और सीईओ जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा भी मौजूद थे। मंदिर से जुड़े पंचायत सचिव धर्मेंद्रसिंह ने बताया कि, मंदिर क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा हैं। सड़क, स्ट्रीट लाइट के साथ टीनशैड और पौधारोपण कराया जा रहा हैं। कई आधारभूत कार्य सरकारी मद, जनप्रतिनिधियों की निधि से संपन्न होंगे। वहीं कई कार्य ऐसे हैं, जिन्हें जनभागीदारी से कराया जा रहा हैं। लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कोई 500 रुपए देकर एक पौधा और ट्री-गार्ड के लिए मदद कर रहा है तो माता-पिता की स्मृति में 10-10 पौधे और टी-गार्ड के लिए राशि दे रहा हैं। इस तरह 49 लोग दान कर चुके हैं। 80 लोगों ने घोषणा की हैं। पौधों को पानी देने के लिए एक कुआं खोदा गया हैं। जनपद अध्यक्ष महेंद्रसिंह सावनेर ने मोटर पंप व ड्रिप सिस्टम दिया हैं। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर ने भी 50 ट्री-गार्ड और पौधों के लिए नकद राशि दी हैं।

राष्ट्रीय स्कूली खेलों का गवाह बनेगा इंदौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के नाम एक और बड़ी खेल उपलब्धि जुड़ गई है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) ने इंदौर को चार बड़े राष्ट्रीय स्कूली खेल आयोजनों की मेजबानी सौंपी है। इन खेल प्रतियोगिताओं में देश भर के शीर्ष बालक और बालिका खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे। खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों को इन मुकाबलों को देखने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि फेडरेशन द्वारा इन खेल आयोजनों की तारीखें अभी तय नहीं की गई हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही खेल कैलेंडर के अनुसार तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा।

4 बड़े खेलों की करेगा मेजबानी

इन चार खेलों का होगा रोमांच

फेडरेशन द्वारा जारी सूची के अनुसार इंदौर को जिन खेलों और आयु वर्गों की जिम्मेदारी मिली है, वे इस प्रकार हैं :
कराते : अंडर-17 (बालक एवं बालिका वर्ग)
शूटिंग : अंडर-14 और अंडर-19 (बालक एवं बालिका वर्ग)
टेबल टेनिस : अंडर-14 और अंडर-19 (बालक एवं बालिका वर्ग)
स्क्वॉश : अंडर-17 (केवल बालक वर्ग)

इंदौर में जुटेंगे देश भर के खिलाड़ी इन खेल आयोजनों के माध्यम से देश के कोने-कोने से आने वाले अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के स्कूली खिलाड़ियों को एक बड़ा राष्ट्रीय मंच मिलेगा। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इंदौर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान, शूटिंग रेंज और इंदौर स्टेडियम की बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं, जो इन राष्ट्रीय स्तर के खेलों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। स्थानीय खेल संगठनों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है और तैयारियों की रूपरेखा बनाना शुरू कर दिया है।

इंदौर के लिए बड़ी उपलब्धि

जिला क्रीड़ा अधिकारी विक्रांत आखरे ने बताया कि इंदौर के लिए यह एक बड़ी उपलिब्ध है कि इस बार इंदौर को एसजीएफआई ने चार खेलों की मेजबानी सौपी है। खेल कैलेंडर के अनुसार ये खेल अक्टूबर से जनवरी माह के मध्य आयोजित किए जाएंगे। इनकी तारिखों का एलान जल्द किया जाएगा।

मेरी पहली प्राथमिता ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलना : कमिंस

सिडनी (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलना है। ऐसे में साल 2027 में एकदिवसीय विश्वकप कप और एशेज सीरीज को देखते हुए वह आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। कमिंस के अनुसार वह टेस्ट मैच और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी लिए फिटनेस बनाये रखना जरुरी है। ऐसे में वह कार्यभार प्रबंधन को सबसे ज्यादा जरुरी मानने है। वहीं आईपीएल में खेलने से थकान ओर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। उनका कहना है कि अगले एक साल में 21 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने का अवसर भी रहेगा।

चौथा टी20 आज, सीरीज बचाने उतरेगी भारतीय टीम

ब्रिस्टल (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां चौथे टी20 क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ जीत के साथ ही सीरीज बचाने के इरादे से उतरेगी। मेजबान इंग्लैंड टीम पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 से आगे हैं। ऐसे में भारतीय टीम को अगर सीरीज में बराबरी करनी है तो उसे ये मैच हर हाल में जीतन होगा। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था जबकि दूसरा और तीयरा टी20 मैच मेजबान टीम ने जीता है। मेजबान टीम ने तीसरे टी20 में 125 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं और वह इस मैच में भी बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी। तीसरे टी20 में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और केवल चार बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये थे। ऐसे में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को जीत हासिल करने इस मैच में बड़ी पारियां खेलनी होंगी। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर के पास कप्तानी संभालने के बाद अपनी पहली जीत दर्ज करने और सीरीज के आखिरी मैच से पहले बेहतर प्रदर्शन कर टीम को प्रेरित का अवसर है।

भारतीय टीम के लिए पिछले मैच में बल्लेबाजी चिंता का मुख्य कारण रही थी। टीम के केवल चार बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाए थे, जो टीम के कुल स्कोर पर गंभीर प्रभाव डालता है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में जीत हासिल करने के लिए भारतीय बल्लेबाजों को जिम्मेदारी भरी बड़ी पारियां खेलनी होंगी और एक मजबूत स्कोर खड़ा करना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर, जो अपनी कप्तानी में पहली जीत दर्ज करने और टीम को प्रेरित करने का अवसर देख रहे हैं, को बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान देना होगा।

इंग्लैंड की तेज और उछाल भरी गेंदों का सामना करने में भारतीय बल्लेबाज अब तक सहज नहीं दिखे हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन को इस चुनौती से निपटने के लिए एक ठोस रणनीति के साथ उतरना होगा और यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम ग्यारह में किसे स्थान मिलता है। टीम चयन को लेकर काफी अटकलें हैं, विशेषकर संजू सैमसन को लेकर, जिन्हें युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए पिछले मैच में बाहर रखा गया था। अब यह देखना होगा कि क्या इस करो या मरो के मैच में सैमसन को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम का मध्यक्रम भी लगातार रनों के लिए संघर्ष कर रहा है, और तिलक वर्मा जैसे प्रमुख बल्लेबाज का फॉर्म में न होना टीम के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है।

फिल्म 'सतलुज' को समीक्षा के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाया

मुंबई (एजेंसी) ● दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। बताया जा रहा है कि इसे हटाने का फैसला समीक्षा के बाद लिया गया। सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों को आशंका थी कि फिल्म के कुछ हिस्सों का भारत विरोधी तत्व दुरुपयोग कर सकते हैं। बताया गया कि फिल्म ने पहले थिएटर रिलीज के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे मंजूरी नहीं मिली। इसके बाद इसे सीधे ओटीटी पर रिलीज किया गया। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित इस फिल्म का नाम पहले 'घल्लूघारा', फिर 'पंजाब '95' और आखिरकार 'सतलुज' रखा गया था। सतलुज के ओटीटी पर रिलीज होने और

फिर उसे हटाने के बाद मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा सुर्खियों में आ गए हैं। पंजाब के चर्चित मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का नाम उन लोगों में गिना जाता है, जिन्होंने पंजाब में उग्रवाद के दौर में अवैध हत्याओं और गोपनीय तरीके से अंतिम संस्कार करने के मामलों को उजागर कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया था, उनकी जांच और बाद में रहस्यमय परिस्थितियों में हुई गुमशुदगी ने भारत के सबसे चर्चित मानवाधिकार मामलों में अपनी जगह बनाई। जसवंत सिंह खालड़ा का जन्म 1952 में पंजाब के अमृतसर जिले के खालड़ा गांव में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बैंक कर्मचारी के रूप में की थी, लेकिन 1980 के दशक में सामाजिक और मानवाधिकार संबंधी मुद्दों से जुड़ते हुए सक्रिय रूप से इस क्षेत्र में काम करना शुरू कर दिया। पंजाब में उग्रवाद और आतंकवाद के दौर में लगातार सामने आ रही गुमशुदगी की घटनाओं ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया।

सर्जरी के बाद छलका सुमोना चक्रवर्ती का दर्द

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने लंबे समय बाद सोशल मीडिया पर वापसी करते हुए अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो महीने शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि उन्हें एंडोमेट्रियोसिस जैसी गंभीर बीमारी के चलते सर्जरी करानी पड़ी। अब स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद अभिनेत्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कठिन समय ने उन्हें जीवन, स्वास्थ्य और सोशल मीडिया को बिल्कुल नए नजरिए से देखने की सीख दी है। सुमोना चक्रवर्ती ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि चार मई को उनकी एंडोमेट्रियोसिस की सर्जरी हुई। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से वह दवाइयों और उपचार के जरिए इस बीमारी को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन समय के साथ समस्या बढ़ती गई। आखिरकार डॉक्टरों की सलाह पर सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने बताया कि पिछले दो महीने उन्होंने पूरी तरह अपनी रिकवरी पर ध्यान दिया और अब वह पहले से काफी बेहतर महसूस कर रही हैं।

उज्जैन संभाग

पर्यावरण संरक्षण के लिए लिया 15 पौधे लगाने का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

महिदपुर ● स्थानीय निवासी अजय रघुवंशी ने पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए भविष्य में 15 पौधे लगाने का संकल्प लिया। इस प्रेरणादायक आयोजन के दौरान परिवारजनों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर उपस्थित संजू सरपंच, डॉ. दिनेश, शिक्षक महिपाल सिंह रघुवंशी, चंदन सिंह, सुनील रघुवंशी, प्रताप सिंह, देवेंद्र सिंह और अशोक सिंह सहित अन्य प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने प्रकृति को बचाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला।

नागदा में चामुंडा मंदिर तक पहुंचा चंबल पानी, शहर में अब तक 12 इंच बारिश

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ● नागदा में हुई तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बरसे पानी की वजह से शहर की कई मुख्य सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गईं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ा। मंगलवार और बुधवार को बारिश से जलभराव के चलते कई इलाकों में यातायात थम गया और बिजली सप्लाई पर भी इसका बुरा असर पड़ा। नागदा में बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है और शहर में अब तक 12 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि यहां की सामान्य वार्षिक वर्षा 36 इंच होती है। यानी सीजन की एक-तिहाई बारिश अभी ही हो चुकी है। अलग-अलग हिस्सों में हो रही लगातार बारिश के कारण चंबल नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। इसके चलते नागदा में स्थित प्रसिद्ध मां चामुंडा मंदिर के परिसर तक चंबल नदी का पानी पहुंच गया, जिससे मंदिर के आस-पास का पूरा नजारा बदला हुआ दिखाई दिया।

बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा होने से टल गया। शहर के एप्रोच रोड पर स्थित जन्मेजय अस्पताल के ठीक बाहर लगे एक बिजली के ट्रांसफार्मर पर आकाशीय बिजली गिर गई। गनीमत यह रही कि जिस समय यह आसमानी आफत आई, उस समय वहां कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। तेज हवा और ट्रांसफार्मर पर बिजली गिरने के कारण शहर के कई इलाकों की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। विभिन्न मोहल्लों और रिहायशी इलाकों में घंटों तक बत्ती गुल रही, जिससे लोगों के घरों के कामकाज और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुईं।

घटना के तुरंत बाद विद्युत कंपनी की टीमों ने मोर्चा संभाला और खराब हुए उपकरणों को सुधारकर धीरे-धीरे बिजली सप्लाई को दोबारा बहाल किया।

होटल में महिला कर्मचारी के सिर पर बोतल से हमला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल थाना क्षेत्र में स्थित होटल शिवसागर एनएक्स में रोटी बनाने का काम करने वाले सुमन कुशवाह पर होटल के ही दो कर्मचारियों ने कांच की बोतल सिर पर मार हमला किया है। दोनों कर्मचारी रात को आपस में अपशब्दों में बात कर रहे थे। इस दौरान रोटी बना रही महिला ने आपत्ति ली, जिस पर दोनों ने विवाद किया। घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला ने पुलिस को बताया कि रात 11 बजे करीब वह होटल में रोटी बना रही थी तभी वहां काम करने वाले रौनक और हरिओम नामक युवक आपस में अपशब्दों में बात कर रहे थे, जिसे लेकर उन्हें मना किया व समझाने का प्रयास किया तो दोनों ने बदसलूकी करते हुए झूमाझटकी की। इस बीच रौनक ने वहां रखी कांच की बाटल मुझे सिर पर मारी, जिससे चोट आई। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके बयान के आधार पर दोनों कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बारिश के बाद खिल उठी शंकरगढ़ पहाड़ी, उमड़ रही पर्यटकों की भीड़

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● हाल ही में हुई बारिश के बाद शंकरगढ़ पहाड़ी का प्राकृतिक सौंदर्य चरम पर पहुंच गया है। पहाड़ी की चट्टानों से बहते छोटे-बड़े झरने और चारों ओर फैली हरियाली लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। मानसून के इस खूबसूरत नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। बारिश से शंकरगढ़ पहाड़ी की चट्टानों से कई प्राकृतिक झरने बहने लगे हैं। हरियाली से ढकी पहाड़ी का दृश्य किसी हिल स्टेशन जैसा नजर आ रहा है। पर्यटक झरनों के बीच प्राकृतिक नजारों का आनंद लेने के साथ तस्वीरें और वीडियो भी बना रहे हैं। शंकरगढ़ पहाड़ी देवास शहर के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में शामिल है। मानसून के दौरान वर्षा का पानी चट्टानों से रिसकर झरनों का रूप ले लेता है, जिससे यहां की खूबसूरती और बढ़ जाती है। इसी वजह से इन दिनों यहां पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। पूर्व सैनिक दिनेश चौहान ने बताया कि उनकी टीम रोजाना पहाड़ी पर जाती है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर सुंदर झरने बह रहे हैं, लेकिन बारिश के कारण चट्टानें फिसलन भरी हो गई हैं। ऐसे में पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के साथ पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के बाद शंकरगढ़ पहाड़ी का मनमोहक रूप देवास के लोगों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

जांच करने गए फायर सेफ्टी अधिकारी को मारे थप्पड़

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल मंदिर के आसपास स्थित होटलों में फायर सेफ्टी जांच के दौरान नगर निगम के फायर अधिकारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। होटल में अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच करने पहुंचे प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू के साथ होटल संचालक के बेटे विकास अरोन्या ने कथित तौर पर मारपीट की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी अधिकारी को एक के बाद एक थप्पड़ मारता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने समेत चार धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

हाल के दिनों में आगजनी की घटनाओं के बाद नगर निगम की टीम महाकाल मंदिर क्षेत्र के होटल, लॉज और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच कर रही है। बुधवार को प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू अपनी टीम के साथ जयसिंहपुरा क्षेत्र स्थित मां पीताम्बरा होटल रेजिडेंसी पहुंचे थे। साहू ने बताया कि उनके साथ आए कर्मचारी आशीष भाटी पुलिस बल लेने महाकाल थाने गए थे। इसी दौरान वह होटल के रिसेप्शन पर मौजूद कर्मचारी से फायर एनओसी, फायर ऑडिट रिपोर्ट और भवन अनुमति संबंधी दस्तावेजों की जानकारी ले रहे थे। तभी होटल संचालक मनोहरलाल अरोन्या का पुत्र विकास अरोन्या वहां पहुंचा और विवाद करने लगा।

सड़क धंसने से नाले में पलटा सीमेंट से भरा ट्राला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार सुबह एमआर-5 रोड पर बड़ा हादसा हो गया। शिव शक्ति सीमेंट की दुकान पर माल उतारने पहुंचा सीमेंट से भरा ट्राला सीमेंट की सड़क टूटने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में पलट गया। हादसे में ट्राले में लदी करीब 3.50 लाख रुपए मूल्य की सीमेंट की बोरियां पानी में भीगकर खराब हो गईं। हालांकि चालक सुरक्षित बच गया और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। दुकान संचालक के अनुसार लगातार बारिश के कारण नाले के पास सड़क के नीचे की मिट्टी बह गई थी, जिससे सड़क कमजोर हो चुकी थी। बुधवार सुबह जब ट्राला माल उतारने के लिए सड़क किनारे खड़ा हुआ तो जमीन धंस गई और वाहन का संतुलन बिगड़ने से वह सीधे नाले में जा गिरा। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क की खराब स्थिति को लेकर कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन अधिकारियों ने समय रहते मरम्मत नहीं कराई। लोगों का आरोप है कि यदि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई की होती तो इस हादसे को टाला जा सकता था।लगातार हो रही बारिश के कारण मोक्षदायिनी शिप्रा नदी

का जलस्तर भी तेजी से बढ़ गया है। बढ़ते जलस्तर से नदी किनारे स्थित कुछ मंदिर जलमग्न हो गए हैं। स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने नदी के संवेदनशील और गहरे पानी वाले क्षेत्रों में लोगों और श्रद्धालुओं की आवाजाही पर रोक लगा दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे जलभराव वाले क्षेत्रों और नदी के किनारों से दूर रहें तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

माता टेकरी पर सीढ़ियां टूटीं, रेलिंग गायब छोटी माता मंदिर में बारिश में बढ़ा खतरा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● माता टेकरी स्थित छोटी माता मंदिर तक जाने वाली सीढ़ियां जर्जर हो गई हैं। कई जगह सीढ़ियां टूटी हुई हैं और रेलिंग नहीं होने से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में फिसलन बढ़ने से हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। बारिश के कारण कई स्थानों पर सीढ़ियों पर पानी भर जाता है। ग्रेनाइट और मार्बल भी कई जगह से टूट चुके हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को चढ़ने और उतरने में दिक्कत होती है। रेलिंग नहीं होने से संतुलन बिगड़ने पर सहारा भी नहीं मिल पाता। बुधवार को एक श्रद्धालु सीढ़ियों से फिसलकर गिर गया। हादसे में उसके हाथ में चोट आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। उनका कहना है कि यदि सीढ़ियों के किनारे मजबूत रेलिंग होती, तो श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से आ-जा सकते थे।

नई ड्रेनेज लाइन की जर्जर हालत!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● यह है इंदौर में डाली गई ड्रैनेज लाईनों के दृष्य... अभी अभी डाली गई है। वार्ड नंबर 14 की कालोनी अम्बिकापुरी एक्सटेंशन कालोनी में चौथमाता गली में... ना अंदर नीचे बैस बनाया गया ना अंदर बाहर प्लास्टर किया गया और ना ही सिमेंटेड... कुछ दिनों बाद क्या स्थिति होगी समझा जा सकता है अभी से टुट रही है तो पुरे शहर में बस इस तरह ड्रैनेज लाईनों को डाला जा रहा है फिर रिपेयर करने की जगह ठेकेदारों को उपकृत किया जाता है चुरी बिछाई जाती है और फिर सड़क बनवा दी जाती है।

चोइथराम फल सब्जी मंडी हुई अब हाईटेक

सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को बांटे गए 'वॉकी-टॉकी'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चोइथराम फल सब्जी मंडी प्रांगण की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक और हाईटेक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मंडी परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल और त्वरित कार्रवाई के लिए आज विशेष रूप से 'वॉकी-टॉकी' सेट वितरित किए गए। बताया जा रहा है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य मंडी प्रांगण में सुरक्षा के स्तर को बढ़ाना और किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति या समस्या का तुरंत निदान करना है।

मुख्य बिंदु और लाभ: हाईटेक सुरक्षा: वॉकी-टॉकी के उपयोग से मंडी प्रशासन और सुरक्षा अमला आधुनिक तकनीक से लैस होगा, जिससे निगरानी व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। त्वरित संवाद : परिसर के विशाल क्षेत्रफल को देखते हुए आपस में तुरंत संपर्क साधने के लिए यह तकनीक बेहद कारगर साबित होगी।

समस्याओं का त्वरित निदान: किसी भी संदिग्ध गतिविधि, चोरी, यातायात जाम या व्यापारियों और किसानों की समस्याओं की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम और साथी सुरक्षाकर्मियों तक पहुंचेगी, जिससे मौके पर ही त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

आपसी समन्वय: सभी सुरक्षाकर्मी और अधिकारी आपस में मिलकर एक मजबूत नेटवर्क की तरह काम करेंगे, जिससे मंडी में आने वाले किसानों, व्यापारियों और खरीदारों को एक सुरक्षित वातावरण मिल सके।

आईडीए स्कीम 171 से मुक्ति के लिए रहवासी खुलकर उतरे, सीएम घोषणा के बाद भी सुस्ती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की स्कीम 171 की मुक्ति के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव की घोषणा के 18 दिन बाद भी सुस्ती छाई हुई है। इसके चलते अब रहवासियों ने बैठक कर इसमें खुलकर विरोध के लिए उतरने का फैसला किया है।

इंदौर स्कीम 171 से मुक्ति के लिए करीब दर्जनभर गृह निर्माण सोसायटी के हजारों प्लॉट धारक 33 साल से इंतजार कर रहे हैं। मप्र शासन के नियमों के तहत प्लॉट धारक विकास शुल्क के रूप में 5.89 करोड़ रुपए अक्टूबर 2024 में जमा कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक समाधान नहीं हुआ है। जिससे प्लॉट धारकों का धैर्य जवाब देने लगा है।

पीड़ित प्लाटधारकों ने बैठक कर चरणबद्ध आंदोलन का फैसला लिया है। आंदोलन की शुरुआत सोशल मीडिया पर विरोध के पोस्टर जारी कर की गई है। इसके बाद तय रणनीति के अनुसार आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस तरह के पोस्टर किए गए जारी

प्लाटधारकों द्वारा कई तरह के पोस्टर जारी कि गए हैं। इसमें पूछा गया है कि हमारे 33 साल बर्बाद हुए हैं। एक पीढ़ी इंतजार में गुजर गई है। ना औपचारिक तौर पर एक इंच जमीन अधिग्रहित की गई और ना ही विकास और ना ही हमे मकान बनाने के लिए एनओसी दी जा रही है। जबकि इंदौर आईडीए शासन के नियमों के तहत 22 दिसंबर 2024 को पूरी राशि ले चुका है। इसके बावजूद स्कीम लैप्स करने का अभी तक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया। न्याय में देरी भी अन्याय है। साल 1993 में स्कीम आई थी। तभी से ना विकास ना ही मुक्ति दी जा रही है। यह जमीन हमारा अधिकार है और अब हम आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। हमे हमारा अधिकार चाहिए।

क्या है पूरा विवाद-साल 1993 में आईडीए ने 13 सोसायटी की जमीन, आसपास की सरकारी और अन्य जमीन को मिलाकर स्कीम 132 लांच की। इस स्कीम का विरोध हुआ और हाईकोर्ट ने 2007 में इसे लैप्स कर दिया।

इसके बाद आईडीए ने 2009 में इसी क्षेत्र के लिए नए सिरे से स्कीम 171 लांच की। लेकिन प्लाटधारकों को अब तक न मुआवजा मिला और न ही स्कीम पर कोई काम हुआ। धीरे-धीरे यह स्कीम भी विवादों में फंस गई।

पांच अस्पताल अधीक्षकों को नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों के मेंटेनेंस में कथित अनियमितताओं के मामले में एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच के बाद पांच सरकारी अस्पतालों के अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा गया है।

एमआरआई सहित अन्य उपकरणों के रखरखाव पर कथित रूप से अधिक भुगतान की शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है। जांच में प्रथम दृष्टया जिम्मेदार पाए गए चार कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

प्रशासन ने अनियमित भुगतानों की वसूली की प्रक्रिया शुरू करने के साथ संबंधित कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी भी शुरू कर दी है। डीन कार्यालय ने सभी अस्पतालों में स्थापित चिकित्सा उपकरणों के भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए हैं और 10 दिनों में रिपोर्ट मांगी है।

एमपी पुलिस कार्यवाहक 183 डीएसपी में निराशा, सीएम के गृह विभाग में ही पदोन्नति की हलचल नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आदेश के बाद सभी विभागों के लिए डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की बैठक शुरू हो गई है। लेकिन अभी तक खुद सीएम के ही विभाग गृह विभाग में पुलिस अधिकारी इंतजार में हैं।

मध्य प्रदेश में लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे अधिकारियों के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। मप्र लोक सेवा आयोग (पीएससी) में 6 जुलाई से अलग-अलग विभागों की डीपीसी बैठकें हो रही हैं। अब तक आठ से ज्यादा विभागों में प्रमोशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह विभाग में अभी तक डीपीसी की तारीख तय नहीं हुई है।

मप्र लोक सेवा आयोग में अब तक राजस्व विभाग, मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, फूड सेफ्टी विभाग, गृह निर्माण, स्कूल शिक्षा और श्रम विभाग की डीपीसी हो चुकी है। बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग के लिए डीपीसी हो रही है। इसके बाद पीएचई और राज्य निर्वाचन विभाग के लिए भी पत्र जारी हो चुका है। लेकिन पुलिस विभाग में पदोन्नति के लिए अभी तक कोई पत्र नहीं आया है। इसी वजह से पुलिस विभाग की डीपीसी की तारीख अभी तय नहीं हो पाई है। वहीं पुलिस विभाग को इस बात की भी चिंता है कि पदोन्नति का मामला हाईकोर्ट में लंबित है। इस मामले में 13 जुलाई को अगली सुनवाई होनी है। ऐसे में अधिकारियों को आशंका है कि कहीं कोर्ट से कोई स्टे न आ जाए या पदोन्नति (पुलिस प्रमोशन में बड़ा खेल) प्रक्रिया पर रोक न लग जाए। इसलिए सभी कार्यवाहक अधिकारी चाहते हैं कि जल्द से जल्द डीपीसी हो जाए, ताकि उनके पद से 'कार्यवाहक' शब्द हटे और उन्हें नियमित पदोन्नति मिल सके।

183 कार्यवाहक डीएसपी इंतजार में

मध्य प्रदेश पुलिस विभाग ने लंबे इंतजार के बाद 10 मार्च 2024 को आदेश जारी कर 103 इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों को कार्यवाहक डीएसपी की जिम्मेदारी दी थी। बाद में जारी हुए कुछ और आदेशों के बाद यह संख्या बढ़कर 183 हो गई। अब ये सभी अधिकारी औपचारिक डीपीसी का इंतजार कर रहे हैं, ताकि कार्यवाहक डीएसपी से नियमित डीएसपी पद पर पदोन्नति मिल सके। इसके बाद ही उनकी आगे की पदोन्नति का रास्ता साफ होगा। इसी तरह सब इंस्पेक्टर से कार्यवाहक इंस्पेक्टर बने अधिकारी भी इंतजार में हैं कि उन्हें इंस्पेक्टर पद पर औपचारिक पदोन्नति (एमपी पुलिस विभाग में प्रमोशन) मिल जाए।

मुहर्रम पर वैन में विस्फोट को आतंकी घटना जैसा बताया, हाईकोर्ट में जनहित याचिका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उजैन जिले के बड़नगर में मुहर्रम के दिन 23 जून को टाटा मैजिक वैन में हुए विस्फोट मामले में जनहित याचिका लग गई है। इसमें इस घटना को आतंकवादी जैसी घटना बताते हुए इसकी जांच एनआईए या सीबीआई से कराने की मांग की गई है।

उज्जैन जिले के बड़नगर में मुहर्रम के दिन 23 जून को कुछ लोगों ने टाटा मैजिक वैन को 40 फीट ऊपर लटका कर विस्फोट से उड़ाया था। इस मामले में अब हिंदू नेता सुमित हार्डिया द्वारा जनहित याचिका दायर की है। इसमें घटना को आतंकवादी जैसी घटना बताया गया है। इसे दिल्ली में नंवबर 2025 में हुए विस्फोट की घटना से लिंक किया गया है।

याचिकाकर्ता हार्डिया के अधिवक्ता जयेश गुरनानी ने बुधवार को सुनवाई के दौरान अहम बातें रखी। इसमें कहा गया कि विस्फोट के बाद इसमें झंडे लहराए गए, धार्मिक नारे लगे और कहा गया कि लो फिर आ गए। यह एक बड़े नेटवर्क को बताता है और इस तरह की गतिविधियों को फिर दोहराने की बात कही गई है। यह महज गुंडागर्दी वाला कृत्य नहीं है। गुरनानी ने बेंच से कहा कि नवंबर 2025 में भी दिल्ली लाल किले के पास कार में विस्फोट रखकर आतंकवादी घटना की गई थी।

यह इसी का प्रदर्शन बड़नगर में किया गया था। याचिका में गुरनानी ने कहा कि पुलिस कह रही है कि पटाखों से यह विस्फोट हुआ, जबकि जिस तरह से विस्फोट हुआ उससे तय है कि विस्फोटक का उपयोग हुआ। ऐसे में एनआईए ही इस तरह की जांच करने के लिए सक्षम अथारिटी है।

तीन महीने बाद खुला एयरपोर्ट-गांधीनगर मार्ग, हजारों वाहन चालकों को मिली राहत

लोगों को कई किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मेट्रो निर्माण कार्य के चलते पिछले करीब तीन महीने से बंद पड़े एयरपोर्ट-गांधीनगर मार्ग को बुधवार सुबह वाहनों के लिए खोल दिया गया। सड़क के बीच डिवाइडर लगाकर यातायात शुरू किए जाने के बाद एयरपोर्ट, गांधीनगर और सुपर कॉरिडोर की ओर आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से बंद इस मार्ग के कारण लोगों को रोजाना कई किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा था।

मेट्रो कंपनी एयरपोर्ट टर्मिनल के सामने अंडरग्राउंड स्टेशन और ट्रैक निर्माण का काम कर रही है। इसी कारण सड़क की एक लेन को निर्माण कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। अब बीच में डिवाइडर लगाकर दोनों दिशाओं में नियंत्रित यातायात शुरू कर दिया गया है, जिससे चार पहिया वाहन भी इस मार्ग से गुजर सकेंगे। मार्ग बंद होने के दौरान एयरपोर्ट से गांधीनगर और सुपर कॉरिडोर जाने वाले वाहनों को बिजासन माता मंदिर मार्ग, दिलीप नगर और सुपर कॉरिडोर एक्सटेंशन होकर जाना पड़ता था। इससे बिजासन माता मंदिर क्षेत्र में रोजाना जाम की स्थिति बनती थी। कई दोपहिया चालक लंबा चक्कर बचाने के लिए रॉन्ग साइड से वाहन निकालते थे, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता था। कुछ समय पहले मेट्रो कंपनी ने फुटपाथ की ओर से केवल दोपहिया वाहनों को सीमित आवाजाही की अनुमति दी थी, लेकिन अब चार पहिया वाहनों के लिए भी रास्ता खोल दिया गया है।

3 अप्रैल से बंद था रास्ता

मेट्रो परियोजना के तहत एयरपोर्ट के सामने ट्रैक को अंडरग्राउंड ले जाने के लिए यह मार्ग पहले 15 मार्च को बंद किया गया था। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद अगले ही दिन इसे खोल दिया गया, लेकिन 3 अप्रैल से निर्माण कार्य तेज होने पर मार्ग दोबारा बंद कर दिया गया था। करीब तीन महीने बाद अब यातायात बहाल होने से क्षेत्र के रहवासियों, एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों और सुपर कॉरिडोर की ओर जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है।

लॉरेंस गैंग के लिए फायरिंग प्लान करने वाले आरोपी की जमानत खारिज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर बिल्डरों और कारोबारियों को धमकाने के मामले में आरोपी राहुल राठौर की जमानत याचिका जिला कोर्ट ने खारिज कर दी। उस पर बिल्डरों की रेकी कराने, फायरिंग की तैयारी करवाने और गैंग को फोटो-वीडियो उपलब्ध कराने का आरोप है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर इंदौर के बिल्डरों और कारोबारियों को धमकियां दी गई थीं। आरोपी राहुल राठौर पर बिल्डरों की रेकी कराने और फायरिंग की तैयारी करवाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार राहुल ने गैंग के लिए लड़के उपलब्ध कराए और फोटो-वीडियो भेजे। बिल्डर विवेक दम्मानी से 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का भी मामला सामने आया। जिला कोर्ट ने सभी पक्ष सुनने के बाद राहुल राठौर की जमानत याचिका खारिज कर दी।

इंदौर में फरवरी से अप्रैल माह के बीच लॉरेंस बिश्नोई गैंग और हैरी बॉक्सर के नाम पर कई बिल्डरों और कारोबारियों को धमकी भरे फोन आए। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने एक के बाद एक कई आरोपियों को गिरफ्तार कर गिरोह की गतिविधियों पर रोक लगाई। मुख्य आरोपी राजपाल के साथी राहुल राठौर की गिरफ्तारी भी मई में हुई थी। अब उसकी जमानत याचिका जिला कोर्ट ने खारिज कर दी है। क्राइम ब्रांच इंदौर के एसीपी ने कोर्ट को बताया कि राहुल ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताने वाले राजपाल का साथ दिया। इसके लिए बिल्डर विवेक दम्मानी, रंजन मित्तल, चेतन सिंह, दिलीप राठौर, कुंवर सिंह व अन्य के यहां फायरिंग की तैयारी करवाई और रेकी के लिए लड़के उपलब्ध कराए।

बुडानिया की 48 एकड़ पहाड़ी पर लगेंगे 1 लाख पौधे

मंत्री विजयवर्गीय ने बीएसएफ कमांडेंट के साथ देखी जमीन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आह्वान पर संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत इंदौर शहर में वृहद स्तर पर पौधारोपण की तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि पितृ पर्वत मार्ग स्थित बुडानिया की 48 एकड़ पहाड़ी पर इस वर्ष लगभग 1 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। यह पौधारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा इंदौर को और अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अभियान की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के कमांडेंट ज्ञानेश्वर खाड़े तथा नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ जगह का अवलोकन किया।

सीएलसी राउंड में छात्रों को मौका, कॉलेजों में प्रवेश मेला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के शासकीय, अशासकीय और निजी महा. में रिक्त सीटों को भरने के लिए प्रवेश मेला आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह मेला 15 जुलाई तक चलेगा। अतिरिक्त सीएलसी राउंड के तहत चलाए जा रहे इस विशेष अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ना है।

प्रवेश मेले के दौरान विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पंजीयन, चॉइस फिलिग और संशोधन, दस्तावेज सत्यापन, सीट आवंटन संबंधी मार्गदर्शन तथा शुल्क भुगतान जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। महाविद्यालयों में यह मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा, जिससे विद्यार्थी उसी दिन अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी सकेंगे। कर विभाग ने महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि पोर्टल पर लंबित पंजीयन वाले विद्यार्थियों तथा प्रवेश प्रस्ताव मिलने के बाद भी फीस जमा नहीं करने वाले छात्रों से व्यक्तिगत संपर्क किया जाए। उनकी समस्याओं का समाधान कर उन्हें प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिन पाठ्यक्रमों और संकायों में सीटें अधिक रिक्त हैं, वहां विशेष प्रयास किए जाएंगे। विद्यार्थियों को विषय चयन, उपलब्ध पाठ्यक्रमों और चॉइस संशोधन के संबंध में परामर्श भी दिया जाएगा। इसके साथ ही विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों, पालकों और पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

रील बनाकर चाकू लहराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के हीरानगर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर चाकू के साथ रील बनाकर वीडियो शेयर करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो चाकू जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों पर पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

हीरानगर थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था। इसमें सुखलिया निवासी उदय तिवारी और कान्हा उर्फ कृष्णा शर्मा हाथों में चाकू लेकर नजर आ रहे थे। वीडियो मिलने के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की।

रात में पुलिस ने दोनों आरोपियों को इलाके से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि लोगों में डर और दबदबा बनाने के लिए उन्होंने यह वीडियो बनाया था। पुलिस के मुताबिक, उदय आदतन अपराधी है। कान्हा के खिलाफ भी पहले के मामले दर्ज हैं। उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है।

जाट गैंग के आरोपी अब भी फरार

कुछ दिन पहले जाट गैंग से जुड़े तीन बदमाशों का भी सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में वे होटल के कमरे में शराब के नशे में खुलेआम जान से मारने की धमकी देते नजर आए थे। पुलिस के अनुसार, वे पहले परदेशीपुरा क्षेत्र में सक्रिय थे और बाद में लसूडिया इलाके में रहने लगे। हालांकि, इस मामले में अब तक पुलिस उन आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। उनकी तलाश जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।